अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–83 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 25 जुलाई 2024 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

मंत्री ओपी राजभर ने दिया बड़ा बयान, बोले-मुस्लिम भी चढ़ाएं भोलेनाथ को जल

लखनऊ। यूपी में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। कभी वो अखिलेश यादव पर बयान देते हैं तो कभी धार्मिक मुद्दों पर भी बड़ी बेबाकी से बोलते हैं। उनका ताजा बयान एक बार फिर सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। मीडिया को दिए अपने बयान में ओपी राजभर ने कहा कि मुसलमान भी भोलेनाथ को जल चढ़ाएं। उन्होंने कहा कि वैसे भी अल्ला ईश्वर तेरो नाम सबको सम्मत दे भगवान। उन्होंने कहा कि मुस्लिम भी अपने घरों से निकलें और भोलेनाथ का जलाभिषेक करें। दरअसल मंत्री राजभर मुहर्रम के दौरान जुलूस में शामिल भीड़ की पिटाई से मारे गए तेजपाल को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी जी का राज है और पीड़ित परिवार के साथ पूरी सरकार है। राजभर ने कहा कि कांवड़िये जल लेकर भोलेनाथ को चढ़ाने जा रहे हैं, और वो अपना मकसद पूरा करें।

गालीबाज महिला सिपाही का रौब,वीडियो बना रहे युवक पर चलाई चप्पल, जमकर बकी गाली

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा इलाके में एक महिला युवक को चप्पल से मार रही है। महिला खुद को पुलिसकर्मी बता रही है। वीडियो में पीआरवी के सिपाही भी दिख रहे हैं। विवाद रास्ते को लेकर विवाद होना बताया जा रहा है।मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों से जानकारी जुटा रही है। महिला सीपी दफ्तर में तैनात सिपाही बताई जा रही है। गुडंबा पुलिस का कहना है कि वीडियो में दो महिलाएं दिख रही हैं। इसमें एक महिला दूसरी को समझा रही है, लेकिन वह इतना गुस्से में है कि ताबड़तोड़ चप्पल चलाए जा रही है। किसी तरह साथ वाली महिला ने रोका, लेकिन वह बदतमीजी करती रही। हालांकि गुडंबा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चारबाग रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन,स्लोगन लिखकर बोले-बंद की गई सवारी गाड़ियां बहाल करें

लखनऊ। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर रेवड़ी दुकानदार और चालक ने विरोध करने के लिए प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ किसान यूनियन के नेता भी मौजूद रहे। प्रदर्शन करने वाले लोगों की मांग है कि बैंड की गई सवारी गाड़ियां तत्काल छोड़ी जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी भी की। आरपीएफ और पुलिस के द्वारा रोकने पर उनकी तीखी बहस भी हुई है।

आरई और एआरटीओ पर सीएम योगी का एक्शन,चित्रकूट के आरटीओ को किया सस्पेंड, आर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

लखनऊ। सरकारी काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर सीएम योगी ने एक्शन लिया है। चित्रकूट में स्कूली बस का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने में लापरवाही बरतने पर संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) को सस्पेंड कर दिया। जबकि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। बता दें कि सीएम योगी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरकारी कार्यों में किसी भी तरह की हीलाहवाली न की जाए। खासतौर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों पर सीएम योगी ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मंगलवार (23 जुलाई) को चित्रकूट के श्रीजी इंटर कॉलेज की दो बसों को सीज कर दिया गया था। बसों में बच्चे बैठे हुए थे। बच्चों सहित बस को 10 किमी दूर पुलिस लाइन ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक बस को खड़ा रखा गया। जानकारी के

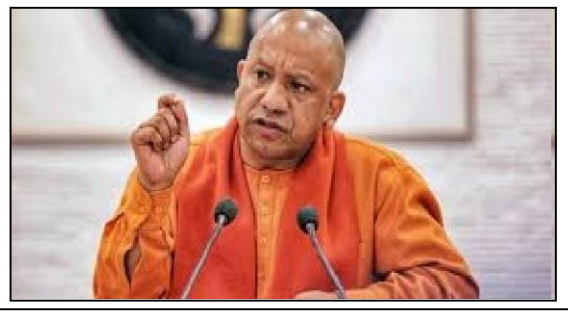

अनुसार, चित्रकूट संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) (आरई) गुलाब चंद्र को संबंधित स्कूलों में जाकर बसों के फिटनेस चेक करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उनके आदेशों को नहीं माना गया, जिसके कारण दोनों बसों का फिटनेस प्रमाण–पत्र जारी नहीं हो पाया। ऐसे में वाहनों को सीज करना पड़ा, जिससे बच्चों को भी तकलीफ हुई। बुधवार को मामला संज्ञान में आने के बाद योगी सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की। आरआई (प्राविधिक) गुलाब चंद्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। वहीं, मामले में आरटीओ (प्रवर्तन) विवेक कुमार शुक्ला के विरूद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की संस्तुति की गई है। साथ ही, प्रदेश में परिवहन विभाग से जुड़े समस्त कर्मियों को भविष्य में इस तरह की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

कई आईएएस और पीसीएस अफसरों का तबादला

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ लगातार ऐक्शन मोड में हैं। प्रदेश में एक बार फिर आईएएस और पीसीएस अफसरों के तबादले हुए हैं। आईएएस शिव प्रसाद को अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम उत्तर प्रदेश का निदेशक बनाया गया है। आईएएस शत्रुघान वैश्य को सीडीओ फिरोजाबाद बनाया गया है। फिरोजाबाद की सीडीओ आईएएस दीक्षा जैन को कानपुर सिटी का सीडीओ बनाया गया है।कानपुर सिटी के सीडीओ आईएएस सुधीर कुमार को कानपुर का नगर आयुक्त बनाया गया है। पीसीएस राजेश कुमार यादव प्रथम एडीएम न्यायिक रायबरेली को एडीएम नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति मथुरा बनाया गया है। नमामि गंगे मथुरा के एडीएम पीसीएस अधिकारी विशाल कुमार यादव को रायबरेली का एडीएम बनाया गया है। प्रतीक्षारत आईएएस अधिकारी प्रेरणा सिंह को एसीईओ ग्रेटर नोएडा अर्थारिटी बाया गया

है। लखनऊ, गोरखपुर के सिटी मजिस्ट्रेट और बुलंदशहर के एसडीएम का भी ट्रांसफर हुआ है। तीनों को नई तैनाती दी गई है। लखनऊ के सिटी मजिस्ट्रेट रहे पीसीएस अधिकारी सिद्धार्थ को कानपुर का नया एडीएम एफआर बनाया गया है। वहीं गोरखपुर के सिटी मजिस्ट्रेट रहे पीसीएस अधिकारी मंगलेश दुबे को नोएडा का एडीएम प्रशासन बनाया गया है। बुलंदशहर के एसडीएम पीसीएस अधिकारी विमल किशोर गुप्ता को मेरठ का एडीएम न्यायिक बनाया गया है।पंकज दीक्षित एसडीएम बहराइच को एसडीएम आजमगढ़ बनाया गया। पीसीएस अधिकारी शालिनी सिंह तोमर जो अभी तक सहायक निदेशक स्थानीय निकाय के पद पर तैनात थीं, एसडीए उन्नाव बनाया गया है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री के भतीजे अनुज चौहान भाजपा अध्यक्ष से मिले

उपचुनाव में मांगी मुरादाबाद की 29 कुंदरकी विधानसभा सीट

लखनऊ। बुधवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व टेस्ट क्रिकेटर स्व चेतन चौहान के भतीजे अनुज चौहान ने उप चुनाव में दावेदारी की। लोक सभा चुनाव के बाद विधायक से सांसद बनने के कारण उत्तर प्रदेश में 10 विधान सभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इसमें से मुरादाबाद जिले की 29 कुंदरकी विधान सभा सीट पर भी उप चुनाव की तैयारी हो रही है। इस सीट के लिये सहकारिता मंत्री स्वतंत्र प्रभार जे पी एस राठौर को प्रभारी बनाया गया। अनुज चौहान ने कुछ दिन पहले सहकारिता मंत्री से भेंट कर उप चुनाव में जीत की शुभकामनायें देते हुए। 29 विधानसभा कुंदरकी के लिए अपना आवेदन सौंपा था। उसी सिलसिले में अनुज चौहान ने प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर अपना आवेदन उन्हें दिया। अध्यक्ष ने आश्वासन देते हुए कहा की पार्टी आपके आवेदन पर गंभीरता से विचार करेगी। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अनुज चौहान ने बताया कि पिछले 65 वर्षों में सिर्फ एक बार 1993 में बीजेपी इस सीट को जीती थी जिसमें उनके सगे चाचा एवं स्व चेतन चौहान के बड़े भाई प्रो सुरेश प्रताप सिंह चौहान ने जीत दर्ज की थी पिछले 29 वर्षों में बीजेपी ने तीन बार रामबीर सिंह एवं 2022 के विधान सभा चुनाव में कमल प्रजापति को उम्मीदवार बनाया था पर इस सीट पर लगातार तीन बार समाजवादी पार्टी का कब्जा रहा है परंतु इस बार मेरे परिवार ने लगभग बीस वर्ष इस सीट पर आवेदन किया है अगर पार्टी ने मेरे आवेदन पर विचार किया तो मैं 100: जीत दर्ज करूँगा। कैबिनेट मंत्री चेतन चौहान के साथ काम करते हुए मैंने बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों के लोगों की सेवा की और आधी रात में भी लोगों की हर संभव मदद की। मेरे परिवार ने कन्या शिक्षा हेतु मेरे गाँव गवर्नमेंट इण्टर कॉलेज बनाने के लिये 1986 में हाई वे पर अपनी निजी जमीन दान की। मेरे भाई सगे भाई ने प्रधान रहते हुए मूँढा पाण्डे में सी एच सी बनवाई। मैंने चेतन चौहान जी के साथ काम करते हुए कुंदरकी विधान सभा में युवा कल्याण विभाग से खेलो इंडिया की योजना अंतर्गत आठ करोड़ रु की लागत से मल्टी परपज स्पोर्ट्स हॉल बनवाया है। मेरा गाँव मूँढा पाँडे है मैंने मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज से ग्रैजुएशन किया है। मेरे घर में लगभग 30 वर्ष प्रधानी रही है। जब पहली बार 1991 में मेरे चाचा स्व चेतन चौहान अमरोहा से सांसद बने तभी से मुरादाबाद मंडल के लोगों की निस्वार्थ भाव से बिना भेद भाव के लोगों की सेवा कर रहा हूँ। कुंदरकी विधान सभा के लोग चाहते थे कि मैं भी आवेदन करूँ उनकी इच्छा अनुसार मैंने आवेदन किया है जिसकी जानकारी मिलने पर लोग अति उत्साहित हैं।

दुबई में नौकरी का झांसा देकर 1.45 लाख रुपये हड़पे, न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। नौकरी का झांसा देकर युवक को टूरिस्ट वीजा पर दुबई भेज दिया। फर्जीवाड़े का अहसास विदेश पहुंचने के बाद हुआ। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। राधानगर थाना के गांव रमवां पंथुवा निवासी संदीप ने बताया कि वह विदेश में नौकरी करना चाहता था। गांव के विनोद ने पंजाब प्रांत के अमृतसर गांव फतेहगढ़ रसूलपुर निवासी एजेंट सुखवीर के माध्यम से वीजा बनवाकर विदेश भेजने की बात कही।

विनोद ने एजेंट को गांव भी बुलवा लिया। सात अक्तूबर 2022 को सुखवीर के खाते में 24,500 और 25,000 रुपये दो बार में भेजे गए। इसके पहले वह एप के माध्यम से दो बार 20–20 हजार और एक बार 10,000 रुपये एजेंट सुखबीर के पास भेजा चुका था। विनोद और सुखबीर सिंह के कहने पर नौ मई 2023 को वह अमृतसर पहुंचा। वहां टिकट व टूरिस्ट वीजा देकर दुबई की फ्लाइट में बैठा दिया। उसे दुबई में कोई काम नहीं मिला। सुखवीर से फोन पर काम न मिलने की बात बताई, तो उसने गाली–गलौज किया। संदीप ने बताया कि मिन्नतों के बाद उसे वतन वापस बुलाया। लेकिन 1,45,500 रुपये नहीं लौटाए। शिकायत पर पुलिस के एफआईआर दर्ज नहीं की। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर राधानगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

विधानसभा सत्र छोटा मगर होगा हंगामेदार

सपा-कांग्रेस गठबंधन सरकार को घेरने को तैयार सदन में मिलेगा नया नेता विपक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का इस बार का सत्र विधायी कामकाज के लिहाज से खासा छोटा होगा पर राजनीतिक सरगर्मी जोरदार होगी। वजह है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद समाजवादी पार्टी के तेवर खासे आक्रामक हो रहे हैं। लोकसभा में संकेत दिख चुके हैं। अब सदन में सपा हालिया कामयाबी के चलते सरकार को तमाम सवालों पर घेरने की तैयारी कर रही है। सत्र 29 जुलाई से शुरू होगा। कई सियासी सवाल हैं जिसपर सपा–कांग्रेस गठबंधन सरकार व भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं उठाएगा। पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव सदन में नहीं होंगे। उनकी जगह सपा को कोई दूसरा विधायक नेता प्रतिपक्ष होगा। नए नेता प्रतिपक्ष की तुलना भी अखिलेश यादव से होगी। सरकार को कितना घेर पाते हैं इसपर भी निगाह होगी। अखिलेश यादव पहले 'मानसून आफर' की बात कह कर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पाले में गेंद डाल चुके हैं, जिसका उन्होंने अखिलेश यादव को जवाब दिया लेकिन मुद्दे की गूंज के आसार हैं। नीट परीक्षा समेत कई परीक्षाओं में गड़बड़ी को भी विपक्ष मुद्दा बनाएगा। सपा के छह से ज्यादा बागी विधायकों ने इस साल राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में क्रासवोटिंग की थी। बदले हालात में इनमें से कुछ विधायक सपा में लौटने की इच्छा जता चुके हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सख्त तेवर दिखाते हुए वापसी से इंकार दिया। उनकी सदस्यता निरस्त कराने का निर्णय लिया। अब देखना है कि सपा के ये विधायक सपा खेमे में बैठेंगे या अलग सीटों पर बैठेंगे। महत्वपूर्ण यह है कि यह विधायक सत्ता पक्ष का समर्थन करेंगे या सपा की राह पर चलेंगे। इसपर भी नजर होगी। सदन में अखिलेश यादव,अवधेश प्रसाद और लालजी वर्मा के सांसद हो जाने के कारण अब सदन में नहीं दिखेंगे। सदन में जितिन प्रसाद भी नहीं होंगे क्योंकि वह केंद्रीय मंत्री हो चुके हैं। रालोद, निषाद पार्टी व भाजपा को मिला कर एनडीए के पांच विधायक अब सांसद बन गए हैं। विधानमंडल का यह सत्र संक्षिप्त होगा। इसमें कुछ अहम विधेयक पास कराए जाएंगे। साथ ही प्रश्नकाल भी होगा। हर छह माह में विधानसभा सत्र जरूरी है। संवैधानिक बाध्यता के चलते यह सत्र आहूत किया गया है।

सोनभद्र के जीवाश्म पार्क को यूनेस्को की सूची में शामिल करने हेतु आईयूसीएन के डायरेक्टर से विचार मंथन : जयवीर

देशी–विदेशी पर्यटक देखने आते हैं पार्क

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि सोनभद्र में स्थित सलखन जीवाश्म पार्क को यूनेस्कों की सूची में दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू करा दी गयी है। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए आईयूसीएन के डायरेक्टर टिम बैडमैन के साथ विस्तार से विचार–विमर्श किया जा रहा है। उनके सुझावों को धरातल पर उतारने का हरसंभव प्रयास किया जायेगा। सोनभद्र स्थित सलखन जीवाश्म पार्क 1400 मिलियन वर्ष पुराना है। अमेरिका के एलोस्टोन पार्क को अब तक विश्व का सबसे बड़ा जीवाश्म पार्क माना जाता है। श्री टिम इस समय दिल्ली में चल रही 46वीं विश्व धरोहर समिति की बैठक में हिस्सा लेने भारत आए हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर आईयूसीएन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो प्रकृति संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के क्षेत्र में काम करता है। 1948 में स्थापित आईयूसीएन प्राकृतिक दुनिया की स्थिति और इसे सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपायों पर वैश्विक प्राधिकरण बन गया है। आईयूसीएन अब दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे विविध पर्यावरण नेटवर्क है, जो 1400 से ज्यादा सदस्य संगठनों और 16,000 विशेषज्ञों के ज्ञान, संसाधनों और पहुँच का उपयोग करता है। यह विविधता और विशेषज्ञता आईयूसीएन को प्राकृतिक दुनिया की स्थिति और इसे सुरक्षित रखने के लिए जरूरी उपायों पर वैश्विक प्राधिकरण बनाती है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर आईयूसीएन विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र में प्रकृति संरक्षण पर अधिक प्रतिनिधित्व और ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। समिति विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के लिए संभावित स्थलों पर विचार–विमर्श करेगी और खतरे में पड़े विश्व धरोहर स्थलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक संरक्षण और प्रबंधन कार्यों पर निर्णय लेगी। इस आयोजन में 150 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। विश्व धरोहर समिति की बैठक दिल्ली के भारत मंडपम में 21 से शुरू हुई है जो कि 31 जुलाई तक चलेगी। फासिल पार्क को यूनेस्को की सूची में दर्ज कराने के लिए उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म बोर्ड की दिल्ली में आईयूसीएन के विशेषज्ञों के साथ बैठक सकारात्मक रही। बैठक में आईयूसीएन के निदेशक टिम बैडमैन वीबी माथुर सेवानिवृत्त आईएफएस और पूर्व निदेशक, डब्ल्यूआईआई, द्रोणा से डॉ. शिखा, बीएसआईपी में भूविज्ञानी और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शिल्पा पांडे और उत्तर प्रदेश पर्यटन के ओएसडी आकाश प्रियदर्शी थे। वन विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और डोजियर तैयार करने में विशेषज्ञता रखने वाली संस्था द्रोण ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार पार्क के भूवैज्ञानिक महत्व और इसकी विरासत की जांच कर ली है। सलखन फॉसिल पार्क प्राकृतिक विरासत श्रेणी में आता है, और भूविज्ञान के विशेषज्ञ और विषय उत्साही टिम बैडमैन, पार्क को विश्व विरासत सूची में शामिल करने में गहरी रुचि रखते हैं। इस पार्क को देखने के लिए बड़ी संख्या में देशी–विदेशी पर्यटक आते हैं। इसे संरक्षित कर धरोहर के रूप में अगली पीढ़ी को सौंपने के लिएजीवाश्म पार्क के आसपास बुनियादी सुविधायें सृजित की जा रही हैं।

फंदे से लटका मिला महिला का शव,पिता ने फौजी दामाद पर लगाया हत्या का आरोप

अलीगढ़। अलीगढ़ में बुधवार को एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं महिला की मौत की सूचना मिलने पर उसके मायके के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने महिला के पति पर हत्या करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। वहीं मृतका के भाई ने अपने बहनोई के खिलाफ तहरीर दी है। चंडौस के रामनगर गांव निवासी भारती पत्नी प्रवीण का शव बुधवार सुबह फंदे से लटका मिला। जिसके बाद परिवार के लोग उसकी आत्महत्या करने की बात कह रहे थे। पुलिस को मामला संदेहजनक लगा। जिसके बाद उन्होंने शव को तत्काल कब्जे में लिया और बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं मृतका के पिता धर्मवीर सिंह ने अपने दामाद पर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरोपी दामाद ने पहले उनकी बेटी की हत्या की और फिर आत्महत्या दिखाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया है। वहीं घटना के बाद से आरोपी पति मौके से फरार है और पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। आरोपी पति प्रवीण उर्फ संजू रिटायर फौजी हैं और कुछ दिन पहले ही सेना से सेवानिवृत्त हुआ है। मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि मृतिका संजू की दूसरी पत्नी थी और उसके कोई संतान नहीं थी। वह पहली पत्नी के बच्चों को ही अपनी संतान मानकर उनका पालन पोषण करती थी। फिर भी आरोपी आए दिन उसके साथ मारपीट करता रहता था और अब उसकी हत्या कर दी। वहीं पीड़ितों ने यह भी बताया कि 10 साल पहले आरोपी की पहली पत्नी की मौत भी संदेहजनक स्थिति में हुई थी। लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने मृतिका के साथ दूसरी शादी कर ली थी। चंडौस थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि महिला के भाई की ओर से हत्या की तहरीर दी गई है। इसमें महिला के पति पर हत्या का आरोप लगाया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण स्पष्ट हो जाएंगे। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर,एक युवक की मौत, साथी घायलय हायर सेंटर रेफर

उरई/जालौन। जालौन में झांसी–कानपुर नेशनल हाईवे 27 पर रफ्तार का कर देखने को मिला। जहां बाइक से जा रहे दो युवकों को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि उसका दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।जिन्होंने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना आटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चमारी ग्राम के तिराहे के पास की हैं। मंगलवार की दोपहर को आटा थाना क्षेत्र के ग्राम चमारी के रहने वाला शिवम अपने गांव का ही रहने वाले साथी विवेक के साथ बाइक से उरई जा रहा था। जैसे ही वह चमारी तिराहे पर झांसी–कानपुर नेशनल हाइवे 27 पर पहुंचा। तभी कालपी की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहे पिकअप ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार उछालकर सड़क पर गिर पड़े। जिसमें शिवम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी विवेक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां से निकल रहे राहगीरों ने हादसे को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर संकट मोचन चौकी इंचार्ज रामवीर सिंह पहुंचकर जिन्होंने दोनों को 108 एम्बुलेंस से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इसके बारे में परिजनों को सूचना दी। वहीं चिकित्सकों ने देखते हुए शिवम को मृत घोषित कर दिया। साथ ही घायल की नाजुक हालत होने पर उसका इलाज करने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस दौरान पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पिकअप चालक के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है।

उधार के रुपए मांगने पर युवक को पीटा,गैर समुदाय के युवक ने लगाया आरोप

अलीगढ़। अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र के रसलगंज इलाके में एक गैर समुदाय के युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसने इलाके के ही कुछ लोगों को काफी समय पहले रुपए उधार दिए थे। अब उसे रुपयों की जरूरत पड़ रही थी। जब उसने आरोपियों से अपने रुपए मांगे तो आरोपी उसके साथ गाली गलौज करने लगे और उसे जमकर पीटा। इतना ही नहीं आरोपियों ने उसे जान से मारने की भी धमकी दी, जिसके बाद पीड़ित ने थाने में सभी के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सराय रहमान निवासी शोएब अहमद पुत्र नजर अहमद ने पुलिस को बताया कि उसका हार्डवेयर का कारोबाद है। वहीं आरोपी का फर्नीचर का कारोबार है। दोनों का व्यापारिक लेनदेन चलता रहता है। जिसके चलते दो साल पहले उन्होंने आरोपी को अपनी दुकान से हैंडल दिए थे। पीड़ित ने बताया कि यह हैंडल 19 हजार रुपए के थे। उस समय आरोपी ने अगले दिन रुपए देने की बात कही थी, लेकिन देखते–देखते दो साल हो गए। उन्होंने मंगलवार को आरोपी से अपने रुपए मांगे थे, तो उसने उन्हें रुपए लेने के लिए बुलाया। जब वह अपने रुपए लेने पहुंचे तो आरोपी ने गाली गलौज और मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद वह अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकले। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वह मुस्लिम समुदाय से है, जबकि आरोपी दूसरे समुदाय से हैं। इसलिए आरोपी उसके रुपए नहीं दे रहे हैं और उसके साथ मारपीट की। उन्होंने उसकी दाढ़ी भी खींची और उसे अपशब्द कहे। आरोपी उसके साथ लिंचिंग करना चाहते थे और उनकी नीयत उसे जान से मारने की थी। लेकिन जैसे तैसे करके पीड़ित ने अपनी जान बचाई। वहीं घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बन्नादेवी थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। मामले में मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

गठबंधन धर्म निभाते हुए अमृतकाल के संजोए सपने को पूरा करेगा आम बजट 2024

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब 23 जुलाई मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024–25 का बजट पेश किया तो किसी को अमृतकाल और विकसित भारत की आहट मिली, तो किसी को वही रटी रटाई पश्चाताप जो पिछले 10 सालों से होती आई है और अगले 15 सालों तक रहने वाली है, यदि इस बीच गठबंधन की गांठ नहीं खुली तो। भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बजट को अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट बताया और कहा कि यह अगले पांच साल के लिए हमारी दिशा तय करने के साथ ही 2047 तक विकसित भारत की आधारशिला रखेगा। लेकिन उनकी बातों में, बजट अभिभाषण में, और बजट प्रस्तावों में मीन मेख निकालने वाले नेताओं की कमी नहीं दिखी। बावजूद इसके केंद्रीय बजट 2024 एक संतुलित बजट है, क्योंकि इसमें महिलाओं, युवाओं, गरीबों, किसानों के हित को सामने रखकर विभिन्न आवश्यक व लोकहितकारी घोषणाएं की गई हैं। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी के अमृत काल वाले विकसित भारत के संकल्प की प्रतिबद्धता को दोहराता हुआ बजट है। जिससे पूरी उम्मीद है कि यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के मिशन को पूरा करेगा। वहीं, इस केंद्रीय बजट में क्षेत्रीय असंतुलन को संतुलन में लाने की कोशिश की गई है, जो आगे भी जारी रखी जायेगी, ऐसे संकेत मिले हैं। क्योंकि देश के कुछ पिछड़े क्षेत्र हैं जिन्हें पिछली सरकारों ने नजरअंदाज किया है, इसलिए विकास की गंगा वहां तक पहुंचाना समावेशी विकास की सबसे बड़ी जरूरत है।

शायद इसी नजरिए से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए की गई विभिन्न घोषणाओं से पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इस लिहाज से बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है।

केंद्रीय बजट में एक तरफ आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए और आगामी वर्षों में अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की घोषणा की गई, जो अच्छी बात है। तो दूसरी तरफ बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये देने का ऐलान किया गया है। ऐसा करके वित्त मंत्री ने अपने दोनों गठबंधन साथियों टीडीपी और जदयू को साधने की पहल की है, जो समझदारी भरा कदम है। इन दोनों राज्यों के आर्थिक हितों का ख्याल रखने से एनडीए सरकार पांच सालों तक चलती रहेगी और आगे के भी चुनावों में उम्दा प्रदर्शन करती रहेगी।

इस आम बजट को युवाओं और महिलाओं के सपनों का बजट भी करार दिया गया है। क्योंकि इनके दृष्टिगत कौशल विकास और रोजगार सृजन की जो घोषणाएं हुई हैं, वह ऐतिहासिक हैं। इस प्रकार इस बजट में पीएम मोदी का विकसित भारत का सपना पूरी तरह से झलकता है। वहीं, अगर विपक्ष ने इस बजट की आलोचना की है तो इसका मतलब यह भी लगाया जा रहा है कि बजट अच्छा है, क्योंकि आलोचना करना तो उनका विपक्ष धर्म है। जिसका निर्वहन करने के लिए भी यह सरकार पूरे मौके देती है।

इस बारे में एक तरफ सत्ताधारी टीडीपी कहती है कि वाईएसआर कांग्रेस के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी दिल्ली जाकर राज्य की छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के विकास और कल्याण को लेकर वित्तीय सहायता के लिए दो बार दिल्ली गए और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए 15000 करोड़ का विशेष पैकेज लेकर आए। वहीं दूसरी तरफ विपक्षी इंडिया गठबंधन की राजद सांसद और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी कहती हैं कि राज्य में हत्या और चोरी हो रही है। मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिल रही है। युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही और किसानों की समस्या अभी भी जस की तस बरकरार है। ऐसे में बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये आवंटित करना बिहार को झुनझुना देने के बराबर है।

सच कहूं तो पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक केंद्रीय बजट 2024 की आलोचना हो रही है। जहां पंजाब के संसद सदस्यों ने केंद्रीय बजट में धन आवंटन के मामले में उनके राज्य को अनदेखा करने का आरोप लगाया और विरोध प्रदर्शन तक किया। वहीं, महाराष्ट्र के महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने भी ताजा बजट में उनके राज्य की उपेक्षा करने का आरोप मढ़ते हुए संसद के बाहर प्रदर्शन तक किया। जबकि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहलाने का गौरव प्राप्त है। बजट में महाराष्ट्र को नजरअंदाज करना भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में भारी पड़ सकती है, क्योंकि यहां की जनता ही असली सबक सिखाएगी।

विपक्ष की इस राय में दम है कि पिछले दस वर्षों से मोदी सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। क्योंकि हम सिर्फ नारे सुनते रहते हैं। आज के बजट में भी जुमले ही अधिक रहे। लिहाजा, इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। न तो उन्हें सरकार चलाने आता है और न ही उन्हें लोगों के दर्द से कोई मतलब है।

मौजूदा केंद्रीय बजट पर उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल के नेताओं ने जिस तरह से नाखुशी दिखाई है, उस तरह से वैकल्पिक सुझाव नहीं दिए कि इसके बदलते क्या किया जाना चाहिए। यूपी की समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ठीक ही कहा कि सरकार बचानी है तो अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है। लेकिन टीम मोदी ने जो पिछले 10 वर्षों में बेरोजगारी बढ़ा दी है, उसके दृष्टिगत किये गए कोई ठोस उपाय नजर रही आते।

इस बजट में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी मोटा आवंटन होना चाहिए था, लेकिन बजट में कुछ भी नहीं किया गया है। किचन का ध्यान तक नहीं रखा गया है, क्योंकि सरकार मंहगाई के बारे में कोई कदम नहीं उठाना चाह रही है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दो टूक कहा कि, अगर मुख्य बातें सामने आ गईं तो सरकार की पोल खुल जाएगी। क्योंकि सरकार गलत है और दिखावा कर रही है। इस बजट में कुछ भी नहीं है और यह केवल गुमराह करने वाला है। सीधा सवाल है कि उनको मुख्य बातें सामने लाने से रोक कौन रहा है। यदि कुछ होगा, तब तो लाएंगे। उनके लाने का इंतजार रहेगा, ताकि सरकार की पोल पट्टी खुले, यदि कुछ अंदरखाने चल रहा हो तो।

मोदी सरकार का पुराना इतिहास बताता है कि ये 2 करोड़ रोज़गार के वादे के साथ सत्ता में आई थी। लेकिन अब 10 साल बीत जाने के बाद चार करोड़ रोजगार पैदा करने की बात करती दिखाई पड़ी, जिसे लोग दोगुना झूठ समझते हैं। उनका तंज है, डबल इंजन की नरेंद्र मोदी की सरकार यानी डबल झूठ। इसका आशय स्पष्ट है कि यह कुर्सी बचाओ बजट है। जब पिछले दस वर्षों में बेरोजगारी दूर नहीं हुई तो अब कोई नई उम्मीद कैसे बांधी जा सकती है। हमलोग इस बारे में सिर्फ नारे सुनते रहे और आज भी बजट के जुमले ही ज्यादा मिले। लिहाजा, इस सरकार से किसी को कोई उम्मीद नहीं है। क्योंकि न तो उन्हें सरकार चलाने आता है और न ही उन्हें लोगों के दुःख–दर्द से कोई मतलब है। वे बजट बहुत कुछ बोलती हैं, लेकिन किसानों के लिए उन्होंने क्या किया? किसानों के लिए तीन कानून लाए गए, जिसे पूर्णतया वापस लेना चाहिए। इसका स्वरूप बदलकर कभी भी उसपर अमल नहीं किया जाना चाहिए।

इस बजट को जबरदस्त चालाकी भरा बजट भी करार दिया जा सकता है क्योंकि इसमें आम आदमी के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में कुछ खास नहीं कहा गया। खासकर मनरेगा का कोई जिक्र नहीं किया गया। वहीं, आम व्यक्ति की आय में सुधार के लिए उठाए गए कदम भी अपर्याप्त हैं। जब बात गंभीर आय असमानता की आती है तो सरकार की ओर से इसे दूर करने वाले प्रयास भी बहुत कम देखने को मिलते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

कुल मिलाकर यह बजट कांग्रेस के घोषणापत्र का कॉपी है। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण चीज युवा निधि योजना है। इसके तहत सरकार ने अप्रेंटिसशिप प्राप्त करने वाले प्रत्येक युवा को 5000 रुपये देने की घोषणा की है। इससे यह साबित होता है कि मोदी सरकार राहुल गांधी के विचारों को कॉपी कर रही है। यह खुशी की बात है। हालांकि, इस सरकार ने आंध्र प्रदेश व बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार कर दिया गया और दोनों राज्यों को विशेष पैकेज का लॉलीपॉप थमा दिया।

इसलिए सियासी गलियारे में यह सवाल उठ रहा है कि, क्या निर्मला सीतारमण ने सिर्फ बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए बजट पेश किया। या फिर यह महज बैसाखी के सहारे खड़ा रखने वाला बजट है। दरअसल, भाजपा नीत एनडीए सरकार को मालूम है कि अगर बजट बिहार और आंध्र प्रदेश के पक्ष में नहीं होता तो उनकी सरकार गिर जाती। लिहाजा, निर्मला सीतारमण ने भारत नहीं बल्कि एनडीए को फायदा पहुंचाने वाला बजट पेश किया है।

कांवड़ यात्राः नेमप्लेट पर अंतरिम रोक

कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली दुकानों, ठेलों आदि पर मालिक एवं कर्मचारियों के नाम लिखे जाने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। सोमवार को जहां एक ओर सावन मास के पहले सोमवार के साथ ही देश भर में कांवड़ यात्राएं प्रारम्भ हो गयी हैं, वहीं शीर्ष न्यायालय ने इस आदेश के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है। इस आदेश से उप्र के साथ ही यात्रा मार्ग पर दुकानदारों की पहचान बताने सम्बन्धी कई राज्य सरकारों के आदेश पर भी रोक लग गयी है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वे किस तरह का खाना परोस रहे हैं लेकिन उन्हें अपना व कर्मचारियों के नाम लिखने के लिये मजबूर नहीं किया जा सकता। अदालत का यह भी मानना था कि ऐसा आदेश जारी कर उप्र पुलिस ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश एवं उत्तराखंड की सरकारों ने भी इसी आशय का आदेश जारी किया हुआ है जिन पर भी रोक लग गयी है। इस आदेश को लेकर देश भर में रोष था और माना जा रहा था कि पहले मुजफ्फरपुर पुलिस तथा बाद में पूरे राज्य में दूकानदार का नाम लिखने का जो आदेश दिया गया है, उसका उद्देश्य सामाजिक ध्रुवीकरण है। हाल के हुए लोकसभा चुनाव में उप्र में भाजपा को बड़ी पराजय मिली थी। उसकी सदस्य संख्या वहां काफी घट गयी है। वैसे तो विधानसभा चुनाव अभी तकरीबन ढाई साल दूर हैं लेकिन यहां 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। उसमें बढ़त लेने तथा हिन्दू वोटों को पाने के लिये मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यह आदेश जारी कराया है। इसके खिलाफ शनिवार को एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नामक एक स्वयंसेवी संस्था ने याचिका दायर की थी। लेखक व बुद्धिजीवी अपूर्वानंद और आकार पटेल के साथ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की अलग–अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए तीनों राज्यों (उप्र, मप्र व उत्तराखंड) की सरकारों को शुक्रवार तक का समय अपने जवाब दाखिल करने के लिये दिया गया। जस्टिस एसवी भट्ट तथा ऋषिकेश राय ने कहा तब तक किसी को नेमप्लेट लगाने की जरूरत नहीं है और न ही ऐसा करने के लिये किसी को बाध्य किया जाये। उनका यह भी मानना है कि खाद्य विभाग यह तो सुनिश्चित कर सकता है कि कांवड़ियों को ताजा व शुद्ध खाना मिले लेकिन पुलिस को उसके काम में दखलंदाजी करने का अधिकार नहीं है। देखा जाये तो इससे भारतीय जनता पार्टी की उप्र, उत्तराखंड तथा मध्यप्रदेश की सरकारों के उन मंसूबों पर पानी फिर गया है जो हिंदुओं के बीच अपनी जगह बनाये रखने के लिये कांवड़ यात्रा का इस्तेमाल करना चाहती थीं। गौरतलब है कि भाजपा सरकार के आदेश के जारी होते ही अनेक राजनैतिक दलों ने इसका विरोध किया था। केवल विपक्षी दल नहीं वरन भाजपा की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी, जनता दल यूनाइटेड के केसी त्यागी आदि ने भी इस आदेश का विरोध किया है। इस आदेश को लेकर लोग समझ गये थे कि इसके कारण जहां एक ओर सामाजिक विभाजन होगा वहीं दूसरी ओर अगड़ी–पिछड़ी जातियों के बीच भी विभाजन हो सकता है। इस आदेश को जिस तरीके से लागू किया गया वह भी संदेह के घेरे में है। जब न्यायाधीशों ने जानना चाहा कि यह आदेश है या केवल प्रेस बयान, तब याचिकाकर्ताओं के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह छद्म आदेश है। इसे स्वैच्छिक तो बताया गया लेकिन इसका पालन एक तरह से अनिवार्य कर दिया गया है। दुकानदारों पर इसके लिये दबाव डाला जा रहा है। सिंघवी का तर्क था कि बहुत से शाकाहारी रेस्टारेंट हिन्दुओं की ओर से चलाये जा रहे हैं पर उनके कर्मचारी मुस्लिम या दलित हो सकते हैं। क्या कोई कह सकता है कि वह ऐसा खाना नहीं खायेगा जो मुस्लिमों या दलितों के द्वारा छुआ हुआ हो? स्वयं जस्टिस भट्ट ने बताया कि वे केरल के एक ऐसे स्थान पर रहे थे जहां केवल दो ही शाकाहारी रेस्टोरेंट थे। वे मुस्लिम के रेस्टोरेंट में जाते थे क्योंकि वहां सफाई बेहतर थी। याचिकाकर्ताओं की इस दलील में दम है कि इस आदेश से संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 एवं 19 (1) (ग) का उल्लंघन होता है क्योंकि इससे धर्म, जाति व नस्ल के आधार पर भेदभाव व छुआछूत को बढ़ावा मिलता है। वैसे यह आदेश कुछ वर्गों के लिये रोजगार का संकट भी बनकर आ सकता है। संप्रदाय या जाति के उजागर होने पर उनकी वस्तुओं, खासकर खाद्य सामग्रियों की बिक्री पर विपरीत असर हो सकता है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में, विशेषकर इन तीन राज्यों में जिस प्रकार से संप्रदाय व जाति आधारित विभाजन हुआ है, मुस्लिम व निचली जातियों के दुकानदारों को कांवड़ियों के रोष का शिकार भी होना पड़ सकता है जो अक्सर इस तरह का व्यवहार करते देखे जाते हैं। कई बार कांवड़ियों व स्थानीय लोगों के बीच विवाद ही नहीं बल्कि मारपीट होती देखी जाती है। कभी किसी वाहन के साथ वे तोड़फोड़ भी करते हैं या यातायात को बाधित कर देते हैं। चूंकि सरकार व पुलिस का उन्हें प्रश्रय होता है, वे किसी भी स्तर तक जाकर विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। लोकतंत्र व सामाजिक सद्भाव में भरोसा करने वाले सभी लोगों को आशा है कि शुक्रवार को जब सुप्रीम कोर्ट इस बाबत अंतिम फैसला लेगा तो वह ऐसे विभाजनकारी आदेश पर स्थायी रोक लगायेगा।

सरकार के सामने परस्पर विरोधी हितों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती

23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला साल का बजट पेश करेंगी। खुद को एक निर्णायक मोड़ पर पाते हुए, उन्हें एक ऐसा बजट तैयार करने का काम सौंपा गया है जो गठबंधन सहयोगियों को खुश करे, जनता के असंतोष को दूर करे और आर्थिक विकास को बनाये रखे। उनकी भूमिका अभूतपूर्व जटिलता को ग्रहण करती है और उन्हें राजनीतिक सुविधा और वित्तीय समझदारी के बीच सर्कस की रस्सी पर चलने जैसा काम करना है।महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों के साथ, बदलते राजनीतिक परिदृश्य, जो खुद को भाजपा के लिए भारी चुनावी झटकों के रूप में प्रकट करता है, निश्चित रूप से बजट निर्माण में अपनी झलक पायेगा। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जैसे विभिन्न गठबंधन सहयोगियों के साथ गठबंधन करने की अनेक महत्वपूर्ण शर्तें होती है, जैसे प्रभावशाली केन्द्रीय कैबिनेट पदों पर छोड़े गये दावों की भरपाई के लिए पर्याप्त बजटीय आवंटन। गठबंधन की राजनीति की पेचीदगियां केवल अंकगणित के बारे में नहीं हैं। श्री नायडू और श्री कुमार, दोनों प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता, अपने–अपने क्षेत्रों में काफी प्रभाव रखते हैं और सरकार के भविष्य पर लगभग नियंत्रण रखते हैं। भारी आवंटन की उनकी मांग न केवल राजनीतिक लाभ की इच्छा को, बल्कि प्रतिस्पर्धी चुनावी परिदृश्यों के बीच निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्रों को खुश करने की व्यावहारिक आवश्यकता को भी दर्शाती है। फिर भी, इन राजनीतिक चालों के बीच, निर्मला सीतारमण को आर्थिक मोर्चे पर समान रूप से कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विकास को बढ़ावा देते हुए राजकोषीय अनुशासन बनाये रखने की अनिवार्यता एक पहेली प्रस्तुत करती है, जिस पर ध्यान देने के लिए विभिन्न प्रकार की आवाजें उठ रही हैं। सामाजिक कल्याण योजनाएं, जिनका लंबे समय से विपक्षी दलों द्वारा समर्थन किया जाता रहा है, अब भाजपा के अपने खेमे में भी गूंज रही हैं, क्योंकि आर्थिक लाभ के समान वितरण की मांगें तेज होती जा रही हैं। इसलिए, बजट एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरता है जिसमें लोकलुभावन मांगों को पूरा करने और आर्थिक बुनियादी ढांचे को बनाये रखने के बीच संतुलन बनाने का कार्य करना होगा। भाजपा की चुनावी असफलताओं में प्रकट होने वाले लोकप्रिय असंतोष के साथ, लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को दूर करने का दबाव बढ़ गया है। इसमें न केवल मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ाना, बल्कि समावेशी विकास के लिए नये रास्ते भी तलाशना शामिल है, खासकर ग्रामीण और हाशिये पर पड़े शहरी क्षेत्रों में। सीतारमण की दुविधा के केंद्र में व्यापक आर्थिक स्थिरता से समझौता किये बिना इन प्रतिस्पर्धी मांगों को समेटने की आवश्यकता है। भारत का विकास पथ, मजबूत होने के बावजूद, घरेलू और वैश्विक दोनों तरह की चुनौतियों से घिरा हुआ है, जिसके लिए राजकोषीय संसाधनों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन आवश्यक है। इसलिए, वित्त मंत्री का कार्य केवल संख्या–गणना से बहुत आगे तक फैला हुआ है जिसके लिए सामाजिक–राजनीतिक गतिशीलता की सूक्ष्म समझ और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक लीवर को कुशलता से संभालने की आवश्यकता है। इसके अलावा, बजट को न केवल समाज के मुखर वर्गों को बल्कि उस बहुसंख्यक वर्ग को भी ध्यान में रखना होगा, जिसकी बेहतर आजीविका की आकांक्षाएं अक्सर सत्ता के गलियारों में अनकही रह जाती हैं। इस संबंध में, समावेशी विकास न केवल एक आर्थिक अनिवार्यता, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी बन जाता है। यह बयानबाजी और वास्तविकता के बीच की खाई को पाटने का एक अवसर है, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत की प्रगति का लाभ इसके विशाल और विविध आबादी के बीच समान रूप से साझा किया जाये। इन चुनौतियों के बीच सीतारमण का वित्त मंत्रालय का नेतृत्व न केवल तात्कालिक आर्थिक भाग्य के लिए बल्कि दीर्घकालिक प्रक्षेपवक्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्हें जो नाजुक संतुलन कार्य करना होगा, उसमें कठिन विकल्प चुनना शामिल है, जैसे आवंटन को प्राथमिकता देना, कर संरचनाओं में सुधार करना और निवेश को प्रोत्साहित करना। यह सब चुनावी कैलेंडर और गठबंधन राजनीति की अनिवार्यताओं पर नजर रखते हुए किया जाना है। यह कार्य लोकतंत्र में शासन की दोहरी अनिवार्यताओं को समाहित करता है। इसके तहत तात्कालिक राजनीतिक आवश्यकताओं को दीर्घकालिक आर्थिक विवेक के साथ संतुलित करना होगा।

अपने सभी पूर्ववर्तियों की तरह, उन्हें व्यापक सरकारी कार्यों को वित्तपोषित करने के लिए कर राजस्व पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ेगा। हालांकि, कराधान का बोझ, विशेष रूप से वेतनभोगी मध्यम वर्ग पर, असंतोष का एक आवर्ती स्रोत रहा है। हाल के वर्षों में पेश किया गये बजटों में व्यक्तिगत करदाताओं पर कर का बोझ कम करने वाले प्रगतिशील सुधारों की उम्मीदें अक्सर धराशायी हो गई हैं। परिस्थितियां यथास्थिति बनाये रखने या सीमित राहत प्रदान करने वाले मामूली समायोजन शुरू करने की ओर झुकी है। अनुचित कर बोझ की धारणा ने प्रणाली में विश्वास को खत्म कर दिया है। यह भावना कर राजस्व के उपयोग में पारदर्शिता की कथित कमी और करदाताओं और नीति निर्माताओं के बीच अलगाव की भावना से और बढ़ जाती है। प्रत्येक बजटीय घोषणा से पहले, अधिक निष्पक्ष और अधिक न्यायसंगत कर व्यवस्था की वकालत करने वाली आवाजें तेज होती जाती हैं। कर स्लैब को कम करने, छूट सीमा बढ़ाने और बोझिल अनुपालन प्रक्रियाओं की फिर से समीक्षा करने की मांग व्यापार मंचों, मीडिया प्लेटफार्मों और नागरिक समाज संगठनों में गूंजती है। आज एक ऐसी कर प्रणाली की आवश्यकता है जो आम करदाता के हितों की रक्षा करते हुए उत्पादकता और उद्यमशीलता को पुरस्कृत करे। कर नीतियों का प्रभाव व्यक्तिगत वित्त से आगे बढ़कर व्यापक आर्थिक गतिशीलता को प्रभावित करता है। उच्च कर दरें और बोझिल अनुपालन आवश्यकताएं निवेश को बाधित कर सकती हैं, उपभोक्ता खर्च को कम कर सकती हैं और रोजगार सृजन में बाधा डाल सकती हैं। यह बदले में, आर्थिक विकास और विकास की आकांक्षाओं को कमजोर करता है, करदाताओं के बीच असंतोष और मोहभंग के चक्र को बनाये रखता है। कर अधिकारियों द्वारा अत्यधिक और मनमानी कार्रवाइयों, जिन्हें कर आतंकवाद के रूप में भी देखा गया है, ने न केवल व्यवसायों और निवेशकों के लिए अनिश्चितता पैदा की है, बल्कि करदाताओं के बीच, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के भीतर भय का माहौल भी पैदा किया है, जो वित्त मंत्री से सुधारात्मक कार्रवाई करने की उम्मीद कर रहा है।

एक ही सुर के गायक- हिंदू-मुस्लिम!

कहावत है, पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले करीब पचास दिनों में ही, अपने पांव बखूबी दिखा दिए हैं। और ये पांव बताते हैं कि हरेक संकट से उबरने का उसे एक ही रास्ता दिखाई देता हैकृसांप्रदायिक ताप बढ़ाया जाए। हैरानी की बात नहीं है कि इसका सबसे खुलेआम प्रदर्शन उस उत्तर प्रदेश से ही शुरू हुआ है, जहां आम चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों को, कम से कम उनके हिसाब से अप्रत्याशित रूप से भारी हार का सामना करना पड़ा है। न सिर्फ भाजपा राज्य की कुल अस्सी सीटों में से 33 पर आ गयी और 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 29 सीटें नीचे चली गयी, बल्कि राम मंदिर निर्माण पर केंद्रित अपनी तमाम प्रचार आंधी के बावजूद, उसने अयोध्या–फैजाबाद की अपनी सीट भी गंवा दी और वह भी सामान्य सीट से समाजवादी पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए, एक दलित उम्मीदवार के हाथों। इतना ही नहीं, इस राज्य में बनारस की सीट से तीसरी बार प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे, खुद नरेंद्र मोदी की जीत का अंतर घटकर डेढ़ लाख के करीब रह गया, जो किसी प्रधानमंत्री की जीत का सबसे कम अंतर है। यही नहीं, कुल मिलाकर राज्य में भाजपा का मत फीसद भी, 2019 के चुनाव की तुलना में 8 फीसद से ज्यादा गिर गया और 41. 5 फीसद के करीब पर आ गया।स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा न सिर्फ इस हार से हिली हुई है बल्कि इसकी व्याख्या करने के मुश्किल सवाल से भी जूझ रही है कि चुनाव में उसकी ऐसी दुर्गत हुई तो कैसे? हैरानी की बात नहीं है कि इस मुश्किल सवाल के जवाब की तलाश ने राज्य में भाजपा के नेतृत्व की आपसी खींच–तान को एक नयी ऊंचाई पर पहुंचा दिया। पिछले ही दिनों जब राज्य में संघ–भाजपा द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, इसकी अटकलों ने बहुत तेजी पकड़ ली कि आम चुनाव के दयनीय प्रदर्शन के बाद, आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ सकता है। हालांकि, भाजपा के उत्तर प्रदेश राज्य अध्यक्ष, भूपेंद्र सिंह चौधरी ने श्आशा के अनुरूप नतीजे नहीं आनेश की नैतिक जिम्मेदारी अपने ऊपर लेने की घोषणा की और वास्तव में चुनाव नतीजों के बाद ही वह अपने पद से इस्तीफे की पेशकश भी कर चुके थे, लेकिन किसी से यह छुपा नहीं रहा है कि उक्त समीक्षा बैठक में, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और उप–मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य के बीच, जम कर खींच–तान ही नहीं हुई, घात–प्रतिघात भी हुए। खबरों के अनुसार जहां आदित्यनाथ ने आम चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के लिए, अपने लोगों के अति–आत्मविश्वास और उसके चलते प्रयासों की कोताही को जिम्मेदार ठहराया, वहीं केशव प्रसाद मौर्य ने इसे पार्टी और संगठन की आलोचना ठहराते हुए इस पर आपत्ति जतायी और जोर देकर कहा कि पार्टी और संगठन ही सबसे ऊपर हैं, सरकार से भी ऊपर। जाहिर है कि उनका निशाना आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के प्रदर्शन पर था, जिसको लेकर संघ–भाजपा के नेताओं–कार्यकर्ताओं की भी शिकायतें कोई थोड़ी नहीं हैं। ऐसा समझा जाता है कि संघ–भाजपा के कार्यकर्ताओं की यह आम शिकायत है कि आदित्यनाथ सरकार, कुछ चुने हुए नौकरशाहों द्वारा ही चलाई जा रही है, जबकि सत्ताधारी पार्टी के आम कार्यकर्ताओं की ही नहीं, खुद मंत्रियों तक की कोई सुनवाई नहीं होती है। इस माने में आदित्यनाथ, सचमुच मोदी मॉडल का ही अनुसरण कर रहे हैं, जहां वास्तव में सरकार अति–केंद्रीयकृत तरीके से, नौकरशाहों के एक छोटे से ग्रुप द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय से चलाई जा रही है। बहरहाल, आदित्यनाथ मॉडल की अपनी ही एक विशेषता और है। राज्य के जो दोनों उप–मुख्यमंत्री अपने असंतोष का इजहार करते हुए, चुनाव नतीजे आने के बाद से मुख्यमंत्री की बुलाई बैठकों का एक प्रकार से बहिष्कार कर रहे बताए जाते थे, उनमें से एक ब्रजेश्वर पाठक की अतिरिक्त शिकायत खबरों के मुताबिक यह थी कि आदित्यनाथ के राज में शासन–प्रशासन में जाति विशेष का दबदबा चल रहा था। बहरहाल, आदित्यनाथ के एड़ियां गड़ा देने के बाद, जब खराब चुनावी प्रदर्शन के लिए उन पर हमलों से हांडी चौराहे पर फूटने का खतरा दिखाई दिया और मुख्य विपक्षी पार्टी, सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने, चुटकी लेने के लिए सौ लाओ, सरकार बनाओ का मानसून ऑफर दे दिया, दिल्ली में बैठे भाजपा नेतृत्व को जल्दबाजी में युद्धविराम की घोषणा कराने का फैसला लेना पड़ा। अब गुजरे हुए आम चुनाव को छोड़कर, आने वाले दस विधानसभाई सीटों के उपचुनाव की ओर ध्यान मोड़ने का पैंतरा आजमाया गया। इन उपचुनावों के एक तरह से जीवन–मरण का प्रश्न बनाए जाने का ऐलान करते हुए, एक सीट पर तीन मंत्रियों के हिसाब से, तीस मंत्रियों को इन सीटों के चुनाव की जिम्मेदारी सोंप दी गई। यह दूसरी बात है कि यह सब भी आदित्यनाथ की कुर्सी पर संकट फिलहाल टलने का ही इशारा है, संकट पूरी तरह से दूर हो जाने का नहीं। जैसे सत्ताधारी पार्टी में अंदरूनी दरारों के जस के तस बने रहने के एक महत्वपूर्ण संकेत में, इन महत्वपूर्ण उपचुनावों की जिम्मेदारी संभालने वाले तीस मंत्रियों में, दोनों उप–मुख्यमंत्रियों को जगह ही नहीं मिल सकी है। बहरहाल, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपनी घेरेबंदी की काट के लिए, सांप्रदायिक ताप बढ़ाने के उसी दांव का इस्तेमाल किया है, जिसके लिए उन्हें जाना जाता है। सत्ताधारी पार्टी में इस सारी उठा–पटक के बीच ही, मुजफ्फर नगर पुलिस ने एक साफ तौर पर सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी आदेश जारी कर दिया कि जिले के करीब सवा दो सौ किलोमीटर के कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली सभी खाने–पीने की चीजों की दूकानों, ठेलों, टपरियों, ढाबों, रेस्टोरेंटों को साइन बोर्ड पर मालिकों के नाम लिखने होंगे। इस आदेश पर अमल के क्रम में यह स्पष्टङ्क हो गया कि मकसद, दूकानदारों की धार्मिक पहचान उजागर करना था और इसमें यह भी जोड़ दिया गया कि मालिकों के साथ ही कर्मचारियों के नाम भी उजागर किए जाएं। कहने की जरूरत नहीं है कि इस आदेश एक ही मकसद था कि मुसलमानों की दूकानों की अलग से पहचान कराई जाए, जिससे कांवड़ियों को उनसे खाने–पीने की चीजें खरीदने से हतोत्साहित किया जा सके। स्वाभाविक रूप से इस आदेश की तुलना, हिटलर की जर्मनी में यहूदियों की पहचान कराने के लिए, उनकी दूकानों पर उनके यहूदी होने के नोटिस और निशानी के तौर पर पीले सितारे टंगवाए जाने के आदेशों से की जा रही थी। मुजफ्फरनगर पुलिस के इस आदेश पर जब चारों ओर से शोर मचा, खुद भाजपा सरकार के पूर्व–मंत्री, मुख्तार अब्बास नकवी से लेकर, बिहार की लोकजनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान तथा राष्ट्रङ्कीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी तक ने इस विभाजनकारी कदम को अनुचित और नुकसानदेह ठहराया। लेकिन, सत्ताधारी भाजपा पर इसकी उलटी ही प्रतिक्रिया हुई। केंद्र में बैठी मोदी सरकार और भाजपा के राष्ट्रङ्कीय नेतृत्व ने जहां हर बार की तरह, इस मुद्दे पर भी चुप्पी साध ली, वहीं इस चुप्पी में अनुमोदन का इशारा पढ़कर, आदित्यनाथ की सरकार और आगे बढ़ गई। कहां तो मुजफ्फरनगर पुलिस चौतरफा आलोचनाओं के दबाव में, यह सफाई देने पर मजबूर हुई थी कि उसका आदेश स्वैच्छिक रूप से पालन के लिए है, अनिवार्य नहीं है, आदि, वहीं आदित्यनाथ सरकार ने इस आदेश को मुजफ्फरनगर से आगे बढ़ाकर, पूरे राज्य पर ही लागू कराने की घोषणा कर दी। और सांप्रदायिक पैंतरों में उप्र सरकार से जैसे होड़ लेते हुए, उत्तराखंड की भाजपायी सरकार ने भी ऐसी ही घोषणा कर दी। उधर मध्य प्रदेश आदि अन्य भाजपा–शासित राज्यों से भी इसी प्रकार के कायदे लागू कराने की आवाजें जो

ट्रेलर की टक्कर से स्कूल जा रहे छात्र की मौत, घटना से नाराज लोगों ने किया चक्काजाम

वाराणसी जिले में बुधवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। स्कूल जा रहे एक छात्र ने ट्रेलर की चपेट में आने से जान गवां दिया। हादसे से नाराज लोगों ने सड़क पर जाम कर दिया।

वाराणसी। वाराणसी जिले के पहाड़िया चंद्र चौराहा मार्ग पर नटुईं पर एक बालू लदे ट्रेलर की चपेट में आने से स्कूल जा रहे विद्यार्थी की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक ट्रेलर छोड़ कर

फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पहाड़िया बलुवा मार्ग को बंद कर चक्काजाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार व स्थानीय लोगों को समझा बुझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की बात कही, लेकिन लोग नहीं माने। काफी मान– मन्नौवल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जानकारी अनुसार बुधवार की सुबह रामरेपुर में पान की दुकान चलाने वाले अजीत जायसवाल का इकलौता पुत्र भावेश (15) घर से रुस्तमपुर स्थित एक विद्यालय में पढ़ने के लिए निकला। साइकिल से जैसे ही स्कूल के नजदीक पहुंचा ही था कि चंद्र चौराहा की तरफ से आ रहे बालू लदे ट्रेलर ने सामने से आ रहे भावेश को चपेट में ले लिया। ट्रेलर का अगला पहिया भावेश के सिर पर चढ़ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने पहाड़िया बलुआ मार्ग को करीब तीन घंटे तक जाम रखा। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया लेकिन मामला बिगड़ता ही गया। मामला बिगड़ता देख एसीपी सारनाथ ने परिवार व स्थानीय लोगों को समझा कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

एसीपी सारनाथ डॉक्टर अतुल कुमार अंजन त्रिपाठी के आश्वासन पर परिवार वाले शव को उठाने के लिए तैयार हो गए। एसीपी ने आश्वासन दिया कि इस घटना में ठोस कार्रवाई होगी तथा नो एंट्री में वाहनों को रोका जाएगा।

इटावा-कानपुर मार्ग पर पलटी बस, ट्रक को ओवरटेक करने में हुआ हादसा, 15 यात्री घायल

इटावा-कानपुर मार्ग पर ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान कट लगने से स्लीपर बस पलट गई। हादसे में 15 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

इटावा। इटावा जिले में बकेवर कस्बे के सिक्सलेन हाईवे पर इटावा–कानपुर मार्ग पर बुधवार सुबह करीब सात बजे एक स्लीपर बस ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान कट लगने से पलट गई। हादसे में करीब 15 सवारियां घायल हो गईं। राहगीरों ने बस में फंसे लोगों को पुलिस के पहुंचने से पहले निकाल लिया। कई घायल सवारियां एम्बुलेंस ना पहुंचने के पर अपने निजी साधनों से ही अपने गंतव्य को चली गईं। वहीं, सूचना पर बिजौली चौकी व बकेवर थाना पुलिस हाईवे मोबइल गाड़ी मौके पर पहुंची। स्लीपर बस में तकरीबन 25 सवारियां थी। बस रेवाड़ी से कानपुर जा रही थी। कानपुर–आगरा सिक्सेलन हाईवे पर एक ट्रक को ओवरटेक करने में कट लगने से करीब 25 मीटर की घिसटती हुई हाईवे पर पलट गई। बस के आगे का केबिन का शीशा टूट जाने से राहगीरों ने बस में फंसे लोगों को निकालने में मदद मिली।

कुछ घायलों को खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकाला। 20 मिनट बाद बिजौली चौकी पुलिस व हाईवे सात पुलिस गाड़ी मौके पर पहुंची। उन्होंने कुछ घायल सवारियों को एंबुलेंस से उपचार के लिए भिजवाया। सूचना पर बकेवर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार शर्मा माय फोर्स मौके पर पहुंचे।

चालक और परिचालक को पुलिस ने पकड़ा

घायलों में पवन कुमार और उनकी पत्नी रेशमा निवासी उरई व उनकी चार माह की एक छोटी बच्ची, युवक सीपू पुत्र वीरेंद्र निवासी ग्राम भूनियापुर कंचौसी जनपद औरैया हैं, जिन्हें पुलिस ने हाईवे एम्बुलेंस से महेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार के लिए भिजवाया। बस के चालक और परिचालक घटनास्थल से भाग कर कुछ दूर जाकर बैठ गए थे। उन्हें सूचना पर पुलिस ने पकड़ लिया।

चाहता हूं कि कोई नेक काम हो जाए, मेरी हर सांस देश के नाम हो जाए

लखनऊ। कारगिल विजय दिवस रजत महोत्सव के उपलक्ष में नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा आज दिनांक 24 जुलाई 2024 को महाविद्यालय सभागार में याद करो कुर्बानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कारगिल युद्ध के दौरान हेलीकॉप्टर यूनिट से जवानों को ऊंची चोटियों तक पहुंचाने तथा रसद की आपूर्ति बहाल रखने में अहम भूमिका निभाने वाले आर्मी एविएशन के कर्नल जीपीएस कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो मंजुला उपाध्याय ने की तथा संयोजन व संचालन एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी ने किया। 19 बटालियन से सूबेदार मेजर ताजबर सिंह , सूबेदार दीपेंद्र राई, बीएचएम संदीप, हवलदार दीपक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि, प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी द्वारा कारगिल युद्ध के शहीदों के चित्र पर सैनिक सम्मान के साथ पुष्पांजलि अर्पित करके हुआ। इस अवसर पर कैडेट साक्षी सोनकर, एवं जिया थापा ने देशभक्ति पर आधारित एकल नृत्य प्रस्तुत किए। एक बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए कैडेट पूजा गौतम, जुल्फी राजपूत, महिमा, बुशरा हामिद, खुशी सिंह, जिया , प्रिया सिंह, सरिका, प्रज्ञा, वैष्णवी,तनु, पूर्णिमा ,ज्योति गौतम ने देशभक्ति पर आधारित पिरामिड नृत्य की जोश पूर्ण प्रस्तुति दी। कैडेट अंजलि वाजपेई ने कारगिल युद्ध का वर्णन एक कविता के माध्यम से किया। कर्नल ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि 3 मई 1999 से 26 जुलाई 1999 तक कारगिल की बर्फीली चोटियों पर कठिन परिस्थितियों में अत्यंत बहादुर के साथ थल सेना, वायु सेना और नौसेना ने साहस का परिचय दिया। यह युद्ध आसान नहीं था क्योंकि दुनिया के सबसे उंचे रण क्षेत्र में लड़ा गया। कर्नल कौशिक और उनकी टीम ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज को रणभूमि के उसे हिस्से तक पहुंचाया जहां से युद्ध की पूरी प्लानिंग की गई अपने चीता हेलीकॉप्टर से आयुध और रसद की आपूर्ति बहाल रखने में भी उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई युद्ध के दौरान हेलीकॉप्टर मिशन अत्यधिक ऊंचाई पर सबसे कठिन परिचालन स्थितियों में और प्रतिकूल मौसम की स्थितियों में किए गए। उन्होंने कारगिल से संबंधित चित्रों का प्रदर्शन करते हुए समस्त घटनाक्रम को समझाया। इस अवसर पर वीडियो के माध्यम से भी कारगिल युद्ध के दौरान जान की बिना बाजी लगाने वाले जवानों के शौर्य का भी प्रदर्शन किया गया ‍ प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में यह कहा कि कारगिल युद्ध हमें इस बात की प्रेरणा देता है कि हमें जीवन में अनुशासित जीवन जीने के साथ–साथ प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। देश के जवानों के दिए गए बलिदान के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम समझ में जिस भी स्थान पर हैं वहां के दायित्व का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने एक सैनिक के उदगार इस प्रकार से व्यक्त किए–कुछ नशा तिरंगे की आज का हैकुछ नशा मातृभूमि की शान का है। हम लहराएंगे हर जगह यह तिरंगा नशा यह हिंदुस्तान की शान का है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता के विजई कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली कैडेट्स के नाम कैडेट साक्षी त्रिवेदी,अनामिका सिंह, सिद्धि यादव,सौम्या थापा, शिप्रा गौतम, पलक सिंह, खुशी सिंह, अंजलि अस्थाना, वैष्णवी श्रीवास्तव, निष्ठा मिश्रा और ऋषिका सिंह। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट पलक गुप्ता, शिवानी पाल, सोनल सिंह, स्वीटी सिंह, शुभांगी, गौरवी समेत बड़ी संख्या में प्रवक्ताए एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। राष्ट्रगान एवं भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए रोपवे निर्माण की गति हुई धीमी, बारिश भी है बड़ी वजह

वाराणसी। सावन में कांवड़ियों की सुरक्षा की वजह से रोपवे के निर्माण कार्य की गति धीमी हो गई है। इस समय सबसे अधिक दबाव कांवड़ियों का है। इसके अलावा बारिश के चलते कोई भी ऐसा कार्य नहीं कराया जाएगा जिससे आम जनता को परेशानी हो।

हाल ही में गिरजाघर पर खोदी गई एक तरफ की सड़क के गड्ढे को पाट दिया गया है और दूसरी तरफ काम शुरू कराया गया है। निर्माण कार्य कराने वाले इंजीनियरों ने बताया कि यहां पर एक तरफ का रास्ता चालू रहेगा ताकि आवागमन बाधित न हो। सावन में कांवड़ियों की संख्या अधिक होती है। ऐसे में यदि पूरा रास्ता बंद होगा तो दिक्कत होगी। इसे ध्यान में रखकर एक तरफ का रास्ता चालू रखने के बाद ही काम होगा। हालांकि इससे काम की गति धीमी हुई है। उधर, सिगरा चौराहे से सिद्धगिरिबाग जाने वाले मार्ग पर टावर खड़ा हो गया है। कैंट, काशी विद्यापीठ के पास भी निर्माण कार्य चल रहा है।

यहां रोपवे के इंजीनियरों की देखरेख में कामकाज पूरा कराया जा रहा है। एनएचएलएमएल के अधिकारियों ने बताया कि इस समय बीरिश और सावन के चलते काम की गति धीमी हुई है। खोदाई से जुड़े कार्य सावन खत्म होने के बाद शुरू कराए जाएंगे।

केस्को की बिजली चोरी कर बेच रहे, तीन दिन में २० उपभोक्ता धराए, दो के खिलाफ एक्सईएन ने दी तहरीर

कानपुर। कानपुर में केस्को की बिजली चोरी कर बेचने का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोग निर्धारित राशि लेकर चोरी छिपे बिजली मुहैया करा रहे हैं। ताजा मामला जरीब चौकी डिवीजन के सकेरा इस्टेट की एक बिल्डिंग का है। यहां तीन दिन पहले 20 लोग बिजली चोरी में पकड़े गए थे। इन पर मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद इन्होंने बयान दिए कि वे पांच से छह हजार रुपये महीना बिजली इस्तेमाल का देते हैं। उन्होंने दो लोगों के नाम भी बताए। इसी के बाद एक्सईएन ने समानांतर व्यवस्था चलाने वाले दो लोगों के खिलाफ रायपुरवा थाने में तहरीर दी है। एक्सईएन अरुण कुमार के मुताबिक जरीब चौकी डिवीजन में गैंग बनाकर बिजली की चोरी कराई जा रही है। सकेरा इस्टेट में चोरी से 20 घरों को बिजली दी गई थी। उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने हलफनामा और वीडियो के सामने बयान देकर एक कथित पत्रकार और दलाल का नाम लिया है। आरोपी दलाल एक बार पूर्व में पकड़ा जा चुका है। उसके खिलाफ तत्कालीन केस्को एमडी सैलजा कुमारी जे ने कार्रवाई कराई थी। दोनों आरोपी बिल्डर तंजीम से ट्रांसफार्मर लगवाने के नाम पर 10 लाख रुपये ले चुके हैं। दोनों के खिलाफ कई मामले सामने आ रहे हैं। चोरी छिपे रात में ई–रिक्शा चार्ज कराने का खेल करते हैं।

एमडी ने एडिशनल डीसीपी को घटना बताई

केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन ने बताया कि मामला बेहद गंभीर है। जरीब चौकी एक्सईएन ने मामले की जानकारी दी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए रायपुरवा थाने में तहरीर दी गई है। इस संबंध में एडिशनल डीसीपी से बातचीत हुई है। आरोपी क्षेत्र के कुछ बिजली कारीगरों के साथ मिलकर अलग लाइन खींचकर बिजली चोरी करा रहे हैं। एक जगह 10 किलोवॉट का मीटर लगवाया। फिर उस मीटर को खराब कराकर कुछ घरों को सप्लाई दी जा रही थी।

डॉक्टर को लात-घूसों से पीटा,कुर्सी सिर पर फेंकी, स्टाफ को दौड़ाकर माराय मरीज की मौत पर परिजनों का बवाल

लखनऊ। लखनऊ में केजीएमयू के पूर्व प्रोफेसर को तीमारदारों ने जमकर पीटा। गोमती नगर के एक हॉस्पिटल में मंगलवार देर रात इलाज के दौरान मरीज की मौत के बाद परिजन भड़क गए। डॉक्टर और स्टाफ की जमकर पिटाई की। डॉक्टर के सिर पर कुर्सी मार दी। डॉक्टर बचने की कोशिश करते रहे, लेकिन तीमारदार थप्पड़ मारते रहे। हंगामे के दो वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो 6 मिनट का है। इस वीडियो में डॉक्टर कमरे में मरीज का इलाज करते दिख रहे हैं। विवाद कमरे में इलाज के दौरान शुरू होता है। दूसरा वीडियो 1.19 मिनट का है। इस वीडियो में तीमारदार वेटिंग हाल में डॉक्टर की पिटाई करते दिख रहे हैं। घटना गोमती नगर विस्तार सेक्टर–4 के अग्नस ऑस्पिटल की है। गोमती नगर विस्तार एसएचओ सुधीर अवस्थी ने बताया हॉस्पिटल में डॉ. रवि देव के साथ मारपीट मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह डॉ. रवि देव मरीज को देख रहे थे। तभी तीमारदारों की डॉक्टर और स्टाफ नर्स के साथ बहस शुरू हो गई। इस बीच एक तीमारदार ने स्टाफ पर हाथ उठा दिया। देखते ही देखते मारपीट होने लगी। हंगामा बढ़ा तो स्टाफ भाग खड़ा हुआ। मरीज के परिजन डॉक्टर को कमरे से खींचकर वेटिंग हॉल में ले आए और पीटने लगे। डॉक्टर पर कुर्सी उठाकर फेंकी। बताया जा रहा है कि मरीज की मौत हो चुकी थी। तीमारदारों का दावा है कि मरीज की मौत के बाद भी डॉक्टर इलाज कर रहे थे। तीमारदारों के पूछने पर डॉक्टर नाराज हो गए और जाने को कह दिया। इससे तीमारदार भड़क गए। लखनऊ के बंथरा में पहाड़पुर गांव में रहने वाले श्याम कुमार को परिजनों ने 18 जुलाई को अग्नस हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। श्याम कुमार को न्यूरो की दिक्कत थी। मंगलवार देर रात इलाज के दौरान श्याम कुमार की मौत हो गई।

वीडीओ भर्ती-2018 को लेकर अभ्यर्थीयों ने पिकप भवन का किया घेराव

लखनऊ। वीडीओ भर्ती–2018 की रिजल्ट को लेकर प्रदेश भर के अभ्यर्थी लखनऊ के पिकप भवन का घेराव करने पहुंचे। अभ्यर्थियों की मांग है कि रिजल्ट जारी करने में यूपी SSSC के द्वारा देरी की जा रही है। परीक्षाएं हो गई विसंगतियां दूर करने की बात की जा रही है लेकिन रिजल्ट अभी तक जारी नहीं किया गया है। फिलहाल और दर्शन को देखते हुए विभूति खंड थाने की फोर्स पहुंची। अभ्यर्थियों को समझा बूझकर इको गार्डन लेकर गई है। परीक्षा को लेकर विभागीय जांच हुई फिर समिति की जांच हुई। इसके बाद परीक्षा को निरस्त करने का फैसला लिया गया निरस्त होने के बाद इन बच्चों से बिना फीस लिए दोबारा परीक्षा करानी थी। इस मामले को लेकर उच्चतम स्तर तक कई बार बैठकें हुईं और आखिरकार निर्णय हुआ की शासन बजट देगा और परीक्षा होगी। इसके बाद यह परीक्षा जून 2023 में दोबारा आयोजित हुई थी। उत्तर प्रदेश सब ऑर्डिनेट सर्विस सेलेक्शन कमीशन (उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित की गई ग्राम पंचायत अधिकारी सहित 1953 पदों की भर्ती परीक्षा को धांधली के कारण रद्द कर दिया गया था। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने साल 2018 में ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी और समाज कल्याण पर्यवेक्षक के 1953 पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसके बाद इसके लिए परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसका डेढ़ वर्ष पहले रिजल्ट भी जारी हो चुका था। यूपीएसएसएससी के अधिकारियों का दावा है कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हो चुका है। आखिरी रिजल्ट बन रहा है और अगस्त तक रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। बच्चों को फिर आश्वस्त करते हैं कि परीक्षा के बारे में शिकायत मिली थी। आयोग ने जांच करके निर्णय लिया और निरस्त कर आपको न्याय देने का पूरा प्रयास किया। जिसने ने परीक्षा दी है, उसके आधार पर आपका रिजल्ट अगस्त में जरूर आएगा। जो लोग सक्षम पाए जाएंगे उनको उसी के साथ नियुक्ति पत्र भी दिया मिलेगा।

रागिनी सोनकर हो सकती नेता प्रतिपक्ष !

पीडीए के फार्मूले में भी फिट,वक्ता भी जोरदार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी पीडीए फार्मूले पर ही आगे बढ़ रही हैं। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा का ओहदा अभी किसी को सौंपा नही जबकि 29 जुलाई से असेम्बली का सत्र शुरू हो रहा है। सबको अखिलेश यादव के फैसले का इंतजार है। विधान परिषद में समाजवादी पार्टी ने लाल बिहारी यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाया है। 29 जुलाई से विधानमंडल का सत्र बुलाया गया है, ऐसे में अब विधानसभा में जल्द ही नया नेता प्रतिपक्ष चुना जाएगा।नेता प्रतिपक्ष को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन इन सबमें एक नाम ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। वे हैं रागिनी सोनकर। सपा से पहली बार 2022 में विधायक बनी हैं रागिनी सोनकर। मछली शहर से चुनाव जीता है।युवा हैं और बहुत पढ़ी लिखी हैं।पेशे से डाक्टर हैं।रागिनी सोनकर पूर्व विधायक कैलाशनाथ सोनकर की बेटी हैं। रागिनी सोनकर ने विधानसभा में भाषणशैली और व्यवहार से भी प्रभावित किया है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछड़ा–दलित–अल्पसंख्यक यानि पीडीएबका जिस तरह से समीकरण बनाया है उसमें भी रागिनी सोनकर फिट हैं। वह महिला भी हैं। उनके बनने से महिलाओं का राजनीति में प्रतिनिधित्व मजबूत होगा। समाजवादी पार्टी के पीडीए में महिलाओं की सशक्त भागीदारी होगी। अखिलेश यादव का पीडीए फार्मूला लोकसभा चुनाव में सुपरहिट रहा है। सपा ने ऐतिहासिक 37 लोकसभा सीटें जीती हैं और देश में तीसरे नंबर की पार्टी बन गई है। लोकसभा चुनाव में कई युवाओं को टिकट दिया और उनमें अधिकतर जीत कर लोकसभा पहुंचे हैं। सामाजिक समीकरणों के हिसाब से रागिनी सोनकर की दावेदारी मजबूत है। विधान परिषद में लाल बिहारी यादव को नेता चुनने के बादविधानसभा में अति पिछड़े समाज या दलित समाज के नेता को चुने जाने की संभावना अधिक है। इन वर्गों के कई नेता सपा के पास हैं, कई नेता बीएसपी से आए हैं। दलित समाज से आने वाली रागिनी सोनकर पहली बार ही सपा से चुनकर आई है। पढ़ी लिखी प्रोफेशनल भी हैं। उनकी दावेदारी अधिक मजबूत है। इन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाने से प्रदेश ही नहीं देश में बड़ा संदेश जाएगा।दलित समाज में सपा की स्वीकार्यता बढ़ेगी। अखिलेश यादव का रुख भी पढ़े लिखे तेजतर्रार युवा नेताओं के प्रति बहुत सकारात्मक रहा है।इसमें उनकी धर्मपत्नी और मैनपुरी से लोकसभा सांसद डिंपल यादव की बड़ी भूमिका रही है।11 दिसंबर 1990 को पैदा हुईं रागिनी सोनकर ने कोलकाता के आरजी कार मेडिकल कालेज और हास्पिटल से एमबीबीएस की उपाधि हासिल की है।एम्स से आप्थाल्मोलाजी में स्पेशलाइजेशन किया है। इनके पति भी डाक्टर हैं। राजनीतिक बैकग्राउंड से आती हैं। इनके पिता कैलाशनाथ सोनकर 2017 से 2022 तक सुहैलदेव समाज पार्टी से विधायक रहे हैं। रागिनी सोनकर ने 2022 में मछलीशहर विधानसभा सीट से बीजेपी के माहीलाल गौतम को 8484 वोटों से हराया था।

दल कार्यकर्ताओं ने एसपी आवास को घेरा,

नाबालिग को भगाने के आरोप में मुस्लिम युवकों पर कार्रवाई न होने से नाराज थे

बांदा। जनपद में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को आधी रात तक एसपी आवास का घेराव कर जमकर हंगामा काटा है। पुलिस पर आक्रोशित इन कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। पुलिस का पुतला भी फूंकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों से बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के नेताओं की जमकर बहस भी हुई। प्रदर्शनकारी संगठन पूरे थाने को सस्पेंड कर और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। मामले की जांच के आदेश देने पर आधी रात में प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने एसपी आवास का घेराव और जाम खत्म किया। बता दें, बांदा मुख्यालय में स्थित एसपी आवास के बाहर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं की भीड़ रात 10 बजे के लगभग पहुंच गई। पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एसपी आवास के बाहर और सड़क पर यह प्रदर्शनकारी कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक तिंदवारी थाना क्षेत्र में तिंदवारी गांव की एक 13 साल की किशोरी लापता थी। जिसे पुलिस ने 24 घंटे बाद ही बांदा के ही कमासिन थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया था। लेकिन इस मामले में आरोपित दो मुस्लिम युवकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी। इसी मामले को लेकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता तिंदवारी पहुंचे। लड़की को भगाकर ले जाने का आरोप मुस्लिम युवकों पर लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। इसी को लेकर इनमें और थाना अध्यक्ष तिंदवारी राधा मोहन तिवारी में बहस होने लगी। इसके बाद बजरंग दल कार्यकर्ताओं का आरोप है कि थाना प्रभारी राधा मोहन तिवारी और थाना पुलिस ने बजरंग दल के नगर सहायक संयोजक के साथ जमकर मारपीट की। उनकी भगवा साफी और रुद्राक्ष की मलाई भी उतरवा दी। उनको जबरदस्त तरीके से अपमानित किया। इसी से आक्रोशित होकर रात में बजरंग दल कार्यकर्ताओं और विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं ने एसपी आवास का घेराव किया। कई घंटे तक सड़क जाम कर दी। जमकर नारेबाजी पुलिस प्रशासन के खिलाफ की गई। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं की मांग थी कि पूरा थाना सस्पेंड होना चाहिए।

महिलाओं से मारपीट, घर में लगाई आग,पिलखना में दबंगों ने मचाया उत्पात

अलीगढ़। अलीगढ़ में दबंगों ने एक घर में घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट की। इसके बाद आग लगा दी। इस घटना में महिला समेत 3 लोग घायल हुए हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती करवाया। पूरे मामले में पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। मामला थाना अकराबाद क्षेत्र के कस्बा पिलखना का है। अलीगढ़ के थाने में बेटे ने मां को जिंदा जलायारूपुलिस के सामने पेट्रोल डालकर आग लगाई, मां जलती रही, बेटा वीडियो बनाता रहा अलीगढ़ में बेटे ने थाने में मां को जिंदा जला दिया। उसने पुलिसवालों के सामने ही मां पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी। इसके बाद वह मां को बचाने की जगह वीडियो बनाने लगा।

पुलिसकर्मियों ने मिट्घ्टी और कंबल डालकर किसी तरह महिला को बचाया, लेकिन तब तक वह 80: झुलस गई। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

चाचा की लाइसेंसी पिस्टल से छात्र ने खुद को गोली से उड़ाया, देहरादून से आया था घर

लखनऊ। गाजीपुर थाना क्षेत्र के हरिहर नगर में बुधवार को एक छात्र ने अपने चाचा की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार कर सुसाइड कर लिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से पुलिस को लाइसेंसी पिस्टल भी मिली है। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। एसीपी गाजीपुर विकास जायसवाल ने बताया कि हरिहर नगर निवासी प्रत्यूष सिंह (18) देहरादून मे रहकर पढ़ाई कर रहा था। परिजनों ने बताया कि एक माह पूर्व प्रत्यूष लखनऊ आया था। बुधवार सुबह उसके कमरे से अचानक गोली चलने की आवाज आई, कमरे में पहुंचे परिजनों ने प्रत्यूष को खून से लथपथ पाया। तत्काल उसको नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत के बाद परिवार वालो ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी, मौके पर पहुंचे पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी गाजीपुर ने बताया कि छात्र ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया है, इसके बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस को घटनास्थल से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि जिस पिस्टल से छात्र ने खुद को गोली मारी वह उसे चाचा की थी जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

छोटे भूखंडों पर भी बना सकेंगे होटल व पेट्रोल पंप

बांदा। विकास प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय लिए गए। अब होटल और मॉल बनाने के लिए न्यूनतम क्षेत्रफल की बाध्यता नहीं होगी। कारोबारी पांच सौ वर्ग में भी होटल बनवा सकेंगे। वहीं महायोजना–2031 को भी बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। अब शासन से स्वीकृति मिलने का इंतजार रहेगा।मयूर भवन सभागार में मंडलायुक्त व बीडीए अध्यक्ष बालकृष्ण त्रिपाठी के समक्ष विकास प्राधिकरण सचिव संदीप केला ने सभी बिंदुओं को प्रस्तुत किया। महायोजना–2031 पर चर्चा के बाद इसे बोर्ड ने स्वीकृति दे दी। शासन स्तर से स्वीकृति के लिए भी सहमति दी गई। तुलसीनगर व पंडित दीनदयाल पुरम आवासीय योजना में आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षिक, शॉपिंग मॉल, होटल व ग्रुप हाउसिंग के रिक्त भूखंडों की नीलामी कर मौजूदा दर पर ही दिए जाएंगे। भवन निर्माण व विकास उपविधि 2008 में होटल निर्माण के लिए संशोधन किया गया। इसके तहत अब छह से 12 कमरों के लिए न्यूनतम क्षेत्रफल की बाध्यता नहीं होगी। कमरों की संख्या 20 होने पर भूखंड का न्यूनतम क्षेत्रफल पांच सौ वर्ग मीटर होगा। अब नौ मीटर पहुंच मार्ग पर भी होटल बनाया जा सकेगा। पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए भूखंड के आकार व मानकों में भी संशोधन किया गया। अब 30–17 वर्ग मीटर के स्थान पर 20–20 वर्ग मीटर में भी यह अनुमन्य होंगे। मानचित्र स्वीकृति में लगने वाले अनुज्ञा फीस, विकास शुल्क, अंबार शुल्क नहीं बढ़ाए जाएंगे। मंडलायुक्त ने प्राधिकरण लैंड बैंक बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम नगेंद्र प्रताप, एडीएम राजेश कुमार, मुख्य कोषाधिकारी विनोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान,आर्थिक तंगी से था परेशान, मजदूरी कर करता था परिवार का भरण-पोषण

उरई/जालौन। जालौन में संदिग्ध हालत में एक 42 वर्षीय ग्रामीण ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस घटना को तब अंजाम दिया जब घर पर कोई नहीं था। पुत्र जैसे ही घर पर पहुंचा, उसने अपने पिता को फांसी पर झूलता देखा, उसकी चीख निकल गई। जिसको सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने युवक को फांसी पर झूलता देखा, तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कैलिया पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। जिन्होंने जांच करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी बताया जा रहा है। घटना कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव की है। बताया गया कि यहां के रहने वाले धर्मेंद्र प्रजापति (42) पुत्र हरिराम ने बुधवार दोपहर को संदिग्ध हालत में अपने घर के कमरे में रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक राजीव बैस का कहना है इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं पुत्र ने थे, आर्थिक तंगी की वजह से फांसी लगाई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी डॉ.दरबारी लाल अस्थाना के

जन्मोत्सव में दिया गया वृक्षारोपण और स्वच्छता का संदेश

डॉ.दरबारी लाल अस्थाना ट्रस्ट द्वारा नरही प्राथमिक विद्यालय में हुआ पपेट और मैजिक शो

लखनऊ। वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी डॉ.दरबारी लाल अस्थाना का जन्मोत्सव, बुधवार 24 जुलाई 2024 को नरही स्थित प्राथमिक विद्यालय में मनाया गया। डॉ.दरबारी लाल अस्थाना ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस समारोह में जादूगर सुरेश के दल में शामिल एस.के. सिंह और आफताब द्वारा देशभक्ति और पानी बचाओ का संदेश दिया गया। इसी क्रम में राजेन्द्र त्रिपाठी और शिब्बू की मंडली ने पपेट शो के माध्यम से वृक्षारोपण और स्वच्छता के लिए लोगों को प्रेरित किया। विद्यालय के बच्चों ने इस रंगारंग और प्रेरक कार्यक्रम का भरपूर आनन्द लिया। इस अवसर पर सम्मान समारोह भी हुआ। जयंती समारोह में विद्यालय की प्रधानाचार्या रचना पांडेय ने वृक्षारोपण अभियान के तहत अमरूद के वृक्ष का रोपण भी विद्यालय परिसर में किया। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ–साथ दीक्षा पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्या सहित सहायक अध्यापिका शैफाली शर्मा, मुदित कुमार शर्मा, अश्विनी कुमार सहित अध्यापक मनीष चौहान और राम कैलाश आदि का भी सम्मान किया गया। ट्रस्ट की ओर से संयोजक आनन्द अस्थाना के साथ कार्यक्रम सहयोगियों में शामिल थिएटर एंड फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव दबीर सिद्दीकी, नव अंशिका फाउण्डेशन की निदेशिका नीशू त्यागी, भारतीयम् बाल एवं युवा विकास एवं शोध संस्थान की उपाध्यक्ष शुभ्रा अस्थाना, सचिव प्रदीप नागर और उपसचिव रत्ना अस्थाना, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा संचालित रेडियो जयघोष की एडमिन अंकिता पांडेय और आर. जे. समरीन सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे। डॉ.दरबारी लाल अस्थाना के पुत्र और भारतेन्दु नाट्य अकादमी के पूर्व निदेशक पुनीत अस्थाना ने सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी डॉ.दरबारी लाल अस्थाना के प्रेरक प्रसंग सुनाए। उन्होंने बताया वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी डॉ. दरबारी लाल अस्थाना का जन्म 24 जुलाई 1905 को आगरा में हुआ था। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान राजकीय कॉलेज आगरा में बहिष्कार आन्दोलन से वह राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हुए। वृन्दावन स्थित सुप्रसिद्ध प्रेम महाविद्यालय में उन्होंने ग्रामोत्थान का कार्य किया और ब्रज के अनेक गांवों का दौरा कर आम लोगों में आजादी और राष्ट्रीयता की भावना जगायी थी। डॉ.दरबारी लाल अस्थाना को ग्रामीण अर्थशास्त्र और पुनर्निर्माण कार्य का विशेष अध्ययन करने के लिये गुरु रविन्द्र नाथ टैगोर के विश्वविख्यात शान्तिनिकेतन भी भेजा गया था जहां गुरुदेव ने उन्हें एक कलम भी आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया था। युसुफ मेहर अली द्वारा संचालित अखिल भारतीय युवक आन्दोलन में भी डॉ.दरबारी लाल अस्थाना सक्रिय रहे थे। सिंधियों के महान आध्यात्मिक गुरु श्रीयुत टी.एल.वासवानी के भारतीय सांस्कृतिक पुनरुत्थान आंदोलन में भी डॉ. दरबारी लाल अस्थाना ने अहम भूमिका अदा की थी। उसकी शाखाओं की स्थापना के लिये डॉ. दरबारी लाल अस्थाना ने देशभर का दौरा भी किया था। महात्मा गांधी के सत्याग्रह आन्दोलन में डॉ. दरबारी लाल अस्थाना काफी सक्रिय रहे थे। साल 1930 में वृंदावन स्थित प्रेम महाविद्यालय के छात्रों के साथ जब डॉ. दरबारी लाल अस्थाना सत्याग्रह आन्दोलन कर रहे थे तब उन्हें 9 सी–12 धारा के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था। 4 अगस्त 1930 को उन्हें छह महीने का कठोर कारावास का दंड सुनाया गया। 11 अक्टूबर 1930 में उन्हें मथुरा जेल से सीतापुर जेल में ट्रांसफर किया गया था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद डॉ. दरबारी लाल अस्थाना ने देहरादून में रहकर मेडिकल प्रैक्टिस आरंभ की। बाद में वह लखनऊ आ गए और साल 1954 से उन्होंने उत्तर प्रदेश गांधी स्मारक निधि लखनऊ केन्द्र के संचालक के रूप में लम्बे समय तक कार्य किया। उन्होंने गांधी तत्व प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश में अनेकों गांधी अध्ययन केन्द्रों और युवा शिविरों का आयोजन किया। स्वतंत्रता के पच्चीसवें वर्ष के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम में स्मरणीय योगदान के लिए राष्ट्र की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें 15 अगस्त 1972 को ताम्रपत्र से सम्मानित किया था। 3 मार्च 1985 को लगभग 80 वर्ष की आयु में उनका स्वर्गवास हुआ था। उन्हें अपने देश पर गर्व और बच्चों से असीम प्रेम था।

नोएडा में महिला से ठगे 3.84 लाख,ट्रेडिंग कर मुनाफा कमाने का दिया था झांसा

नोएडा। ट्रेडिंग कर पैसे कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाज ने एक महिला के साथ 3.84 लाख रुपए की ठगी कर ली। कुल 8 बार में खाते से रकम ट्रांसफर कराई गई। महिला की शिकायत पर सेक्टर–49 पुलिस ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ आईटी एक्ट और धोखाधड़ी की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर–50 के बी ब्लॉक में रहने वाली छवि मेठी ने बताया कि 3 जून 2024 को उनके मोबाइल पर अलग–अलग नंबर से मैसेज आए। मैसेज करने वालों ने कहा कि ट्रेडिंग कर वह लाखों रुपए का मुनाफा हर महीने कमा सकती हैं। इसके बाद महिला को एक ग्रुप पर जोड़ दिया गया। साथ ही एक ऐप भी जालसाज ने महिला को डाउनलोड कराया। कई दिन तक छवि ग्रुप को देखती रहीं। ग्रुप के सदस्य ट्रेडिंग में लाखों रुपए का मुनाफा होने का स्क्रीनशॉट्स साझा कर रहे थे। कई लोगों ने महिला को पर्सनल मैसेज भी किया और मुनाफा कमाने की जानकारी दी। साथ ही शिकायतकर्ता को निवेश करने के लिए उकसाया गया। इसके बाद छवि ने 25 हजार रुपए का निवेश कर दिया।

इसके बाद उसे ऐप पर भारी मुनाफा दिखाई देने लगा। करीब आठ बार में महिला ने तीन लाख 84 हजार रुपए का निवेश कर दिया। इससे उसका मुनाफा ऐप पर 45 लाख के करीब पहुंच गया। जब महिला ने मुनाफे सहित अपनी रकम को निकालने का प्रयास किया तो जालसाज ने कहा उसे 14 लाख रुपए और निवेश करने होंगे तभी रकम निकल सकेगी। इसके बाद महिला को ठगी की आशंका हुई। पैसे वापस मांगने पर जालसाज ने महिला से संपर्क तोड़ दिया। पुलिस उन खातों की जानकारी एकत्र कर रही है जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है। आरोप है कि पैसे मांगने पर ठगों ने महिला से गाली गलौज और अभद्रता भी की। उसे ग्रुप से बाहर कर दिया।

लेखपाल संघ के चुनाव में धांधली का आरोप,

उम्मीदवार राजकुमार पटेल बोले, विपक्षी से साठगांठ कर, जीते प्रत्याशी को हरा दिया गया

बांदा। जिले में लेखपाल संघ के चुनाव में धांधली का आरोप लगा है। प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने कहा है कि विपक्षी से सांठगांठ कर धांधली की गई। 233 मतों पर परिणाम घोषित कर दिया गया। उन्होंने जिलाधिकारी से जांच की मांग की है। यहां लेखपाल संघ चुनाव में प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि चुनाव में धांधली हुई है और जीते हुए प्रत्याशी को हरा दिया गया है। विपक्षी से सांठगांठ कर धांधली हुई है। 232 मतों पर चुनाव हुआ और 233 मतों पर परिणाम घोषित कर दिया गया। यह चुनाव प्रांतीय अध्यक्ष राम मूरत यादव की अध्यक्षता में चुनाव हुआ था और इन्हीं के ऊपर चुनाव धांधली का आरोप है। हारे हुए प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने आरोप लगाया कि बिजली को गोलकर और हो हल्ला कर मतगणना में धांधली की गई है। एडीएम राजेश कुमार ने बताया की 22 जुलाई को लेखपाल संघ का चुनाव हुआ। जिसमें एक प्रत्याशी ने आरोप लगाया है कि चुनाव में धांधली हुई है। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया है। उनको चाहिए कि प्रदेश कार्य करणी को ज्ञापन भेजे और उनसे निष्पक्ष जांच कराई जाए।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने घेरी कोतवाली,लापता लड़की की बरामदगी न होने पर जताई नाराजगी

उरई/जालौन। जालौन में 3 जुलाई को एक समुदाय का युवक दूसरे समुदाय की लड़की को भगाकर ले गया था। इस मामले में लड़की के पिता की मौत गई थी। जिस पर हिंदू संगठनों के साथ परिजनों ने बीते सप्ताह प्रदर्शन किया था। जिस पर पुलिस ने आश्वासन दिया था कि इस मामले में कार्रवाई की जाएगी और लड़की को बरामद कर लिया जाएगा मगर एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बावजूद भी अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर हिंदू संगठनों द्वारा प्रदर्शन किया गया और कोतवाली का घेराव किया गया। जिस पर पुलिस ने हिंदू संगठनों के लोगों को समझाकर शांत कराया और कार्रवाई का भरोसा दिया। मामला जालौन नगर कोतवाली का है। यहां 3 जुलाई को एक समुदाय का युवक दूसरे समुदाय की युवती को मंदिर से भगा ले गया था। जिस पर परिजनों ने युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। इस घटना के बारे में लड़की के बीमार पिता को नहीं बताया था। जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई थी, 6 दिन बाद लड़की के पिता की मौत हो गई थी। जिस पर परिजनों ने बीते सप्ताह कोतवाली में हिंदू संगठनों के साथ प्रदर्शन किया था। जिस पर पुलिस ने और उप जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि युवती को बरामद कर लिया जाएगा। मगर अभी तक युवती को बरामद नहीं किया जा सका। न ही आरोपी युवक की गिरफ्तारी की गई। जिसको लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने जालौन कोतवाली का घेराव किया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने हिंदू संगठनों के लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने कहा कि जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। साथ ही उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब कहीं जाकर हिंदू संगठनों के लोग शांत हुए।

अस्पताल में भर्ती हुई 'बिग बॉस 17' फेम ये एक्ट्रेस, 4 महीने से आ रहे हैं पैनिक अटैक

'बिग बॉस 17 की एक कंटेस्टेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुई दर्द से कराहती दिख रही हैं। इस वीडियो में एक्ट्रेस की बेसुध कंडीशन में है और कुछ बड़बड़ा रही हैं। हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे है वो सोनिया बंसल हैं। जी हां, सोनिया बंसल को लेकर खबर आई है कि उन्हें तबीयत बिगड़ने के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोर्सेज के मुताबिक कल रात जब वह एक अवॉर्ड सेरेमनी में शामिल हुई थीं तभी से उन्हें बेचौनी महसूस हो रही थी। इसके बाद अचानक सोनिया की हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद फौरन उन्हें कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बिग बॉस 17 की एक कंटेस्टेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुई दर्द से कराहती दिख रही हैं सोनिया बंसल को लेकर खबर आई है कि उन्हें तबीयत बिगड़ने के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया रिपोर्ट की मानें तो सोनिया को पिछले चार महीनों से पैनिक अटैक आ रहे हैं। इसके साथ ही मेंटल हेल्थ से जुड़े कुछ इशूज भी हैं। हालांकि एक्ट्रेस खुद को मोटिवेट करने की खूब कोशिश करती हैं लेकिन कभी–कभी उनकी हालत ज्यादा बिगड़ जाती है। इस वीडियो के वायरल होते ही सोनिया के फैंस काफी परेशान हैं। एक्ट्रेस को इस हालत में देखकर फैंस उनकी जल्द रिकवरी की दुआ कर रहे हैं। बता दें कि सोनिया बंसल उत्तर प्रदेश के आगरा की रहने वाली हैं। सोनिया 'बिग बॉस 17' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। ये उस वक्त शो से एलिमिनेट होने वाली पहली कंटेस्टेंट थीं। 'बिग बॉस 17' में अपनी पारी के लिए मशहूर सोनिया बंसल ने फिल्मों में '100 करोड़' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने 'नॉडी गैंग' और 'डुबकी' में भी काम किया है। इससे पहले सोनिया को धीरा, ड्रीम स्लेयर, शूरवीर और डुबकी जैसी कुछ अलग हटके प्रोजेक्ट्स में देखा गया है। वहीं जल्द ही वेब सीरीज 'शूरवीर' में नजर आएंगी।

पहले पत्नी फिर दो दिन बाद पति ने लगाई फांसी,तीन साल पहले की थी लव मैरिज

नोएडा। नोएडा में पहले पत्नी ने फांसी लगाकर सुसाइड किया। उसके दो दिन बाद पति ने भी फांसी लगा ली। उसकी भी मौत हो गई। घटना 23 जुलाई देर रात की है। पुलिस को जानकारी मिली। मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि दोनों की तीन साल पहले लव मैरिज हुई थी। दंपती की डेढ़ साल का बेटा है। वो परिजनों के पास है। इस मामले में पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। एसीपी –2 अरविंद कुमार ने बताया कि सेक्टर 22 में झोलू पंडित के मकान में 23 साल के कृष्ण कुमार अपनी पत्नी तारा कुमारी के साथ किराए पर रहता था। दोनों ने तीन साल पहले लव मैरिज की थी। दोनों मूल रूप से हरदोई जिले के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि 21 जुलाई को तारा कुमारी ने पंखे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके दो दिन बाद ही कृष्ण कुमार ने फांसी लगा ली। कृष्ण कुमार तनाव में था और काफी दुखी था। 21 जुलाई को जब पत्नी तारा ने फांसी लगाई। उसके बाद उसे कृष्ण कुमार सेक्टर–39 स्थित जिला अस्पताल लेकर गया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने तारा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों की जानकारी दी। इसके दो दिन बाद ही कृष्ण कुमार ने फांसी लगा ली। वो सेक्टर–22 में ही किराए के मकान में रह रहा था। बताया जा रहा है कि दंपती के एक डेढ़ साल का बेटा है। 3 दिन में इस बच्चे का सिर से मां और बाप का साया उठ गया। घटना के बाद से दोनों के परिजन बच्चे को गोद में लेकर रो रहे हैं। परिजनों का कहना है कि दोनों को ऐसा कदम उठाने से पहले एक बार बच्चे के बारे में भी सोचना था। अब बच्चा अनाथ हो गया है। फिलहाल वो हरदोई में परिजनों के पास है। दोनों के बीच पहले बहुत प्यार था। इसलिए दोनों ने लव मैरिज की। बेटा हुआ और उसके बाद दोनों के बीच तनाव रहने लगा। अक्सर दोनों के बीच झगड़े होने लगे। 21 जुलाई को भी ऐसा ही हुआ होगा। जिसके बाद पत्नी ने सुसाइड किया।

बजट में कैंसर मरीजों को बड़ी राहत, 3 दवाओं से हटी कस्टम ड्यूटी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को 2024–2025 के बजट में 90,958.63 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2023–24 के संशोधित अनुमान 80,517.62 करोड़ रुपये से 12.96 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने कैंसर के उपचार की तीन दवाओं–ट्रैस्टुजुमैब डेरक्सटेकन, ओसिमर्टिनिब और डुरवालुमैब पर सीमा शुल्क में छूट की भी घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में बजट पेश करते हुए कहा–"कैंसर रोगियों को राहत प्रदान करने के लिए, मैं तीन और दवाओं को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट देने का प्रस्ताव करती हूं। मैं चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत मेडिकल एक्स–रे मशीनों में उपयोग के लिए एक्स–रे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टरों पर बीसीडी (मूल सीमाशुल्क) में भी बदलाव का प्रस्ताव करती हूं। आयुष मंत्रालय के लिए बजट आवंटन को 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3,712.49 करोड़ रुपये किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय को आवंटित 90,958.63 करोड़ रुपये में से 87,656.90 करोड़ रुपये स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को तथा 3,301.73 करोड़ रुपये स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग को आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत योजनाओं के लिए बजट आवंटन 77,624.79 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 87,656.90 करोड़ रुपये कर दिया गया है। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए बजट आवंटन 2023–24 में 31,550.87 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2024–25 में 36,000 करोड़ रुपये और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम–जेएवाई) के लिए 6,800 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,300 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए बजट आवंटन 65 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 90 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के लिए आवंटन पहले की तरह 200 करोड़ रुपये ही है। केंद्रीय बजट में स्वायत्त निकायों के लिए बजट आवंटन 2023–2024 में 17,250.90 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2024–25 में 18,013.62 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इन निकायों में एम्स, नई दिल्ली के लिए आवंटन 4,278 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 4,523 करोड़ रुपये कर दिया गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के लिए आवंटन 2295.12 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,732.13 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

पायल मलिक की पहले तलाक और अब सुसाइड की बात सुनकर भड़के लोग, कहा-नौटंकीबाज औरत

यूट्यूबर अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियां जब से बिग बॉस में गई हैं, तब से सुर्खियों में बनी हुई हैं. अरमान मलिक लगातार दो शादियों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. सोशल मीडिया पर यूजर्स उनको बराबर ट्रोल रहे हैं. हालांकि अरमान मलिक तो बिग बॉस में हैं, ऐसे में वह ट्रोल्स का जवाब तो नहीं दे पा रहे हैं. अरमान की पहली पत्नी च्लंस डंसपा शो से बाहर आ चुकी हैं और वह ट्रोलिंग से परेशान हैं। उन्होंने हाल ही में सुसाइड की बात कही थी, जिसके बाद फिर से उनको जमकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है।

अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल मलिक शो से बाहर आने के बाद लगातार बयानबाजी में जुटी हुई हैं। कहा जा रहा है कि वह यूट्यूब पर अच्छे व्यूज के लिए कुछ भी बयान देने में जुटी हैं। अपने व्लॉग्स में वह बड़े–बड़े दावे करती हैं। कभी अरमान मलिक से तलाक लेने की बात करती हैं तो कभी ट्रोलिंग से परेशान होकर सुसाइड के लिए कहती हैं. अब फिलहाल वह अपनी ही बात से पलटी मार चुकी हैं. पायल का लेटेस्ट व्लॉग वायरल हो रहा है, जिसमें वह यूजर्स के सवालों का जवाब दे रही थीं. ऐसे में एक यूजर ने कहा कि आप सुसाइड की बात मत करिए कम से कम अपने बच्चों के बारे में सोचिए. पायल उस यूजर की बात से सहमत हो गईं और कहा कि 'ऐसा कभी किसी को भी नहीं सोचना चाहिए, जिंदगी में दुख तकलीफें तो लगी रहती हैं। हर इंसान की जिंदगी में अच्छा और बुरा समय आता है। आप उसे कैसे जीते हैं, वही जीवन है'. पायल ने कहा कि उन्होंने सोच लिया है कि जो जैसा है उसके साथ जिंदगी जियूंगी, अरमान कृतिका जब बाहर आएंगे तबका तब देखेंगे. अब पायल मलिक के तलाक और सुसाइड वाले इस ड्रामे से लोग परेशान हो चुके हैं और उनको तमाम बातें सुना रहे हैं। उनको जमकर ट्रोल भी किया जा रहा है. कुछ यूजर्स तो पायल को इन सब बातों के लिए 'नौटंकीबाज औरत' भी बता रहे हैं।

हंसी और रहस्यों के डोज से भरपूर है फिल्म खेल खेल में

अपकमिंग मल्टीस्टारर फिल्म खेल खेल में के निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिससे पता चलता है कि फिल्म हास्य और दिलचस्प बातचीत से भरपूर है। पोस्टर में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फरदीन खान को खुलकर हंसते हुए दिखाया गया है।

पोस्टर में देखा जा सकता है कि सभी स्टार कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे अपने होठों पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा कर रहे हैं। फिल्म को हंसी–मजाक वाले पलों और दिल को छू लेने वाले कुछ दृश्यों का एक शानदार मिश्रण दिखाया गया है। खेल खेल में 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2 द रूल को 6 दिसंबर तक के लिए टाल दिए जाने के बाद फिल्म के लिए 15 अगस्त को रिलीज की तारीख पक्की की गई है। यह फिल्म एमी विर्क की बैड न्यूज के बाद दूसरी हालिया हिंदी रिलीज है, जिसमें विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी हैं। खेल खेल में अब बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत स्त्री 2 टक्कर देगी, जो उसी दिन रिलीज हो रही है।

गुलशन कुमार, टी–सीरीज और वकाऊ फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत खेल खेल में टी–सीरीज, वकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन की फिल्म है। यह मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। मुदस्सर अजीज इससे पहले कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, जिनमें डबल एक्सएल (2022), पति पत्नी और वो (2019), हैप्पी फिर भाग जाएगी (2018), जिया और जिया (2017), हैप्पी भाग जाएगी (2016), दूल्हा मिल गया (2010), शोबिज (2007), जिंदगी रॉक्स (2006) और दिल दिया है (2006) जैसी सफल फिल्में शामिल हैं।

शादी के बस एक महीने बाद Sonakshi sinhi ने कही ऐसी बात, डिटॉक्स ट्रीटमेंट का ले रहीं सहारा।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी को पूरा एक महीना हो गया है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने परिवार के बीच बेहद सादगी से शादी की थी। बिना किसी तामझाम के दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। इतना ही नहीं सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी की तस्वीरें और वीडियो खूब चर्चा में रहे। अब दोनों शादी के एक महीने पूरे होने पर फिलीपींस में हैं। दोनों अपनी वन मंथ एनिवर्सरी का कोई मेगा सेलिब्रेशन नहीं कर रहे हैं, बल्कि पूरी तरह से खुद को स्ट्रेस फ्री करने में लगे हैं। हाल में ही सोनाक्षी–जहीर ने इंस्टाग्राम पर खास पोस्ट करके अपनी वेकेशन की झलकिया साझा की हैं, जिनसे नजरें हटा पाना जरा भी आसान नहीं है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने लंबे इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि शादी की भाग–दौड़ से वो रिकवर हो रही हैं और इसके लिए उन्होंने डिटॉक्स ट्रीटमेंट का सहारा लिया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने 10 तस्वीरें साझा की हैं। किसी में सोनाक्षी पूल में पति जहीर इकबाल के साथ नजर आ

रही हैं तो किसी तस्वीर में सोनाक्षी फार्म में मस्ती करते दिख रही हैं। इन तस्वीरों में उन्हें अच्छा खाना खाते, बारिश के मजे लेते और नेचर की सैर करते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने नैचुरोपैथी की ओर शादी के ठीक एक महीने बाद मूव किया है। उनकी ये तस्वीरें काफी खूबसूरत हैं और इनमें सोनाक्षी और जहीर इकबाल का प्यार देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा, 'हमने अपनी शादी के एक महीने का जश्न वही करके मनाया जो हमें सबसे ज्यादा करने की जरूरत थी दृ रिकवर हो रही हूं! यह कोई विज्ञापन नहीं है और किसी ने हमें पोस्ट करने के लिए नहीं कहा, लेकिन मैं फिलीपींस में एक फार्म की शानदार चीजों को साझा करने से खुद को नहीं रोक सकी। एक हफ्ते में हमें सिखाया गया कि सेहत का असल में क्या मतलब है, अपने शरीर की सुनें और अपने दिमाग का ख्याल रखें। प्रकृति के बीच जागना, सही खाना, समय पर सोना, डिटॉक्स ट्रीटमेंट और भरपूर मालिश दृ एकदम नया महसूस करना। इसी पोस्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने आगे लिखा, 'हमारे अद्भुत मित्रों को धन्यवाद जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हमें यह जीवन बदलने वाला अनुभव मिले और उन सभी अद्भुत लोगों को धन्यवाद जिन्होंने हमारे ठहरने को इतना आरामदायक बनाया दृ प्रीत, राउल, डॉ. जोसलिन, स्टेफी, क्लियो, डिटॉक्स मैन जून और हमारे मुख्य दो दृ ईजे और निक्का।'

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।